लखनऊ । वाराणसी । नई दिल्ली

14 अक्टूबर 2026 बुधवार
वर्ष : 19 अंक: 103
पृष्ठ : 8
वाराणसी
काशी संस्करण
मूल्य: 2.00 रूपए

लोक हस्तक्षेप
The Power of Truth
हिन्दी दैनिक

www.facebook.com/lokhastakshep www.twitter.com/lokhastakshep /Lokhastakshep /Lokhastakshep
www.lokhastakshep.com

दुनिया के साथ मिलकर विकास करता है भारत, किसी को नुकसान पहुंचाना हमारा उद्देश्य नहीं : मोदी

♦ प्रधानमंत्री ने भारत की वृद्धि को केवल घरेलू आर्थिक उपलब्धि के रूप में ही नहीं, बल्कि दूसरे देशों के लिए प्रौद्योगिकी, प्रतिभा और समाधान उपलब्ध कराने के संभावित स्रोत के रूप मेंभी पेश किया। मोदी ने कहा कि भारत डिजिटल भुगतान, डिजिटल पहचान और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के क्षेत्र मेंअपनी विशेषज्ञता साझा करके अंतरराष्ट्रीय साझेदारी को और मजबूत करना चाहता है।

एजेंसी,नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि मजबूत बुनियाद और लगातार हो रहे सुधारों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि भारत दूसरे देशों को नुकसान पहुंचा कर नहीं, बल्कि सबकी समृद्धि के साथ अपनी वैश्विक आर्थिक भूमिका बढ़ाना चाहता है। मोदी ने कहा, हम किसी की कीमत पर विकास नहीं करते। हम दुनिया के साथ और दुनिया के लिए विकास करते हैं। उन्होंने भू–राजनीतिक तनाव, व्यापार में बाधाओं और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों तथा संसाधनों को लेकर बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच भारत को एक भरोसेमंद आर्थिक साझेदार के रूप में पेश किया। ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम को संबोधित करते हुए उन्होंने अप्रैल–जून तिमाही में देश की 7.8 प्रतिशत आर्थिक वृद्धि, 700 अरब डॉलर से अधिक का विदेशी मुद्रा भंडार और कराधान, दिवाला तथा श्रम कानूनों से जुड़े सुधारों का उल्लेख किया और कहा कि ये भारत की मजबूती को दर्शाते हैं। मोदी ने कहा, अनिश्चितताओं से भरी इस दुनिया में भारत भरोसे और स्थिरता का एहसास कराता है। उन्होंने कहा, इस साल अप्रैल–जून तिमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि 7.8 प्रतिशत रही। यह वृद्धि मजबूत बुनियाद पर हो रही है। मोदी ने देश की मजबूत व्यापक आर्थिक स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत का चालू खाते का घाटा 12–13 साल पहले चार प्रतिशत से अधिक था, जो अब घटकर करीब आधा प्रतिशत रह गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि किसी देश की आर्थिक और प्रौद्योगिकी ताकत का आकलन केवल इस आधार पर नहीं होना चाहिए कि उसके पास कितनी शक्ति है, बल्कि यह भी देखा जाना चाहिए कि वह दूसरों के लिए अवसर पैदा करने में अपनी ताकत का कितना प्रभावी इस्तेमाल करता है। उन्होंने कहा, असल सवाल यह नहीं है कि किसके पास ताकत है। असली सवाल यह है कि इस ताकत का इस्तेमाल कैसे किया जा रहा है? प्रधानमंत्री ने भारत के डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे, बढ़ते स्टार्टअप परिवेश और स्वच्छ ऊर्जा क्षमता का उल्लेख करते हुए कहा कि घरेलू क्षमताएं समावेशी विकास में मदद कर सकती हैं।

उन्होंने साथ ही कहा कि भारत डिजिटल पहचान, भुगतान और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में अपना अनुभव साझेदार देशों के साथ साझा कर रहा है, खासकर वैश्विक दक्षिण के देशों के साथ। मोदी ने कहा, हमारे लिए सुधार मजबूरी नहीं बल्कि हमारा संकल्प है। उन्होंने आगाह किया कि आपूर्ति श्रृंखला, ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज, भुगतान प्रणाली और प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल तेजी से भू–राजनीतिक दबाव बनाने के साधनों के रूप में किया जा रहा है।

बिहार के भोजपुर में दुर्गा पूजा पंडालों में आग से हड़कंप, दो पंडाल प्रभावित, जांच जारी

एजेंसी,आरा। बिहार के भोजपुर में सोमवार और मंगलवार की दरम्यानी रात दुर्गा पूजा के दो पंडालों में आग लगने के बाद इलाके में तनाव उत्पन्न हो गया। पुलिस ने मंगलवार को यह

जानकारी दी। भोजपुर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अवधेश कुमार दीक्षित ने बताया कि घटना नगर थाना क्षेत्र के भुलहीपुर मोहल्ले में हुई। उन्होंने कहा, दुर्गा पूजा के दो पंडालों में आग लगने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि इस घटना के पीछे कुछ असामाजिक तत्वों का हाथ है। दीक्षित ने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच में घटना का कोई सांप्रदायिक पहलू सामने नहीं आया है। स्थानीय लोगों ने दावा किया कि घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया। एसपी ने कहा, हम सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहे हैं और पूजा आयोजकों से भी स्पष्टीकरण मांगा जा रहा है। स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और इलाके में पर्याप्त संख्या में सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है।

जेएनयू यौन उत्पीड़न मामला, कांग्रेस सांसद पर कार्रवाई की मांग, राष्ट्रपति मुर्मू से मिलीं भाजपा की महिला सांसद

एजेंसी,नयी दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में छात्राओं के कथित यौन उत्पीड़न से जुड़े मामले को लेकर राजनीतिक विवाद बढ़ गया है। भाजपा की महिला सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने कांग्रेस सांसद और जेएनयू के प्रोफेसर अंगोमचा बिमोल अकोइजम के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा। सांसदों ने मामले में हस्तक्षेप करने और उच्च

शिक्षण संस्थानों में छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने का अनुरोध किया। आरोपों की जांच दिल्ली पुलिस कर रही है, जबकि संबंधित सांसद ने आरोपों को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया है। प्रतिनिधिमंडल में लोकसभा सांसद कमलजीत सहरावत, बांसुरी स्वराज और मालविका देवी शामिल थीं। राज्यसभा सांसद एस. फांगनोन कोन्याक, गीता शाक्य और भाजपा की वरिष्ठ नेता तथा राष्ट्रीय महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष रेखा शर्मा भी प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थीं। महिला सांसदों ने कथित उत्पीड़न के मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने ज्ञापन में अकोइजम को सांसद पद से हटाने का अनुरोध भी किया।

जम्मू–कश्मीर के पुंछ में आतंकवादी ठिकाने का पर्दाफाश

एजेंसी,जम्मू । जम्मू–कश्मीर के पुंछ जिले के सुरनकोट इलाके में मंगलवार को एक गुफा के भीतर बने संदिग्ध आतंकवादी ठिकाने का पर्दाफाश किया गया और वहां से एक स्वचालित राइफल, छह हथगोले और कारतूस बरामद हुए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद सेना और पुलिस द्वारा सथराबाण के जंगलों में चलाए गए एक संयुक्त अभियान के दौरान ये हथियार बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि मौके से एक एके–47 राइफल, एक मैगजीन, 30 कारतूस, छह हथगोले और कुछ दवाइयां बरामद की गई हैं। अभियान के दौरान किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

अधिकारियों ने बताया कि एक अन्य घटनाक्रम में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद उधमपुर और कठुआ जिलों में फैले क्रमशः मजालता व बिलावर के ऊपरी इलाकों में तलाश अभियान जारी है। उन्होंने बताया कि उधमपुर के मजालता स्थित सोआन, खुबान, चोर व नागण तथा कठुआ जिले के सदरौता, भेड व बलोर के वन क्षेत्रों में सोमवार शाम से सेना और पुलिस का संयुक्त अभियान जारी है। अधिकारियों ने बताया कि अभी तक संदिग्धों से आमना–सामना नहीं हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि एक अलग मामले में पुंछ के मेंढर सेक्टर के बसोनी इलाके में मंगलवार सुबह सेना के जवानों ने सीमा से सटी बाड़ के पास जंग लगी दो बारूदी सुरंगों का पता लगाया। उन्होंने बताया कि ये बारूदी सुरंगें ट्रैक निर्माण कार्य के दौरान दिखाई दी थीं, जिन्हें बाद में सेना के विशेषज्ञों द्वारा नियंत्रित विस्फोट के जरिए नष्ट कर दिया गया। पिछले एक सप्ताह के दौरान सेना द्वारा इस क्षेत्र में 12 से अधिक बारूदी सुरंगों का पता लगाकर उन्हें निष्क्रिय किया जा चुका है।

ओमान तट के पास सोहार बंदरगाह पर एक टैंकर पर ड्रोन हमला

मस्कट, एजेंसी। ओमान के तट के पास सोहार बंदरगाह पर निकारागुआ के ध्वज वाले तेल टैंकर एमटी पेट्रो डॉल्फिन पर अचानक ड्रोन से हमला किया गया। हमले के बाद जहाज में आग लग गई। ब्रिटेन की समुद्री सुरक्षा एजेंसी यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस ने घटना की पुष्टि की है। हादसे के समय टैंकर पर 11 भारतीय नाविक सवार थे।

तिरंगा लेकर जंतर-मंतर पहुंचे सीजेपी कार्यकर्ता, पुलिस ने हिरासत में लिया

एजेंसी,नयी दिल्ली । कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी के कार्यकर्ता मंगलवार, 13 अक्टूबर की सुबह पुलिस को चकमा देते हुए जंतर–मंतर तक पहुंच गए. सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके द्वारा पोस्ट की गई वीडियो में आशुतोष रांका और सौरव दास गेट फांदकर जंतर–मंतर के पास वाली सड़क पर पहुंचते हुए दिखे. इसी सड़क पर सीजेपी ने तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के लिए लंबा प्रदर्शन किया था.। सीजेपी कार्यकर्ता भारत का राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लेकर वहां पहुंचे. उनके पहुंचने के कुछ ही सेकंड बाद पुलिस भी वहां पहुंच गई और कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया. अभिजीत दीपके ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को टैग करते हुए लिखा कि आप प्रतिरोध को डीनोटिफाई नहीं कर सकते. सीजेपी ने यह प्रदर्शन तब किया है जब सोमवार को ही जंतर–मंतर को एक निर्धारित प्रदर्शन स्थल के तौर पर डी–नोटिफाई किया गया है. यानी अब वहां विरोध–प्रदर्शन नहीं हो सकते हैं। दिल्ली पुलिस ने अब विरोध–प्रदर्शनों के लिए तीन नई जगहें निर्धारित की हैं. इनमें रामलीला मैदान, बुरारी मैदान और सीबीडी ग्राउंड शामिल हैं. जंतर–मंतर को प्रदर्शन स्थलों की लिस्ट से हटाने की विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने कड़ी आलोचना की है. कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने केंद्र सरकार पर लोकतांत्रिक विरोध प्रदर्शनों को प्रतिबंधित करने और असहमति व्यक्त करने के अधिकार को निशाना बनाने का आरोप लगाया है।

रोपवे स्टेशन गायक किशोर कुमार के नाम करने की उठी मांग

वाराणसी,संवाददाता। पार्श्व गायक किशोर कुमार की 39वीं पुण्यतिथि पर पितरकुंडा कुंड पर मंगलवार को डबीशायर क्लब की ओर से श्रद्धांजलि सभा आयोजन किया गया। अध्यक्ष शकील अहमद जादूगर ने सुबह 11 बजे कुंड की मछलियों को चारा खिलाकर और चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। शकील अहमद ने कहा कि 13 अक्टूबर 1987 को हृदयगति रुकने से किशोर कुमार का निधन हुआ था।

उन्होंने अपने जीवन में 1200 फिल्मों में 2678 गीत गाए, कई भाषाओं में भी गायन किया। खइके पान बनारस वाला, जिंदगी एक सफर है सुहाना जैसे गीत आज भी लोकप्रिय हैं। उन्होंने सर्वाधिक फिल्मफेयर पुरस्कार जीते।क्लब ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से वाराणसी रोपवे के एक स्टेशन का नाम किशोर कुमार के नाम पर रखने की मांग की।

पंजाब में नशा विरोधी कार्यकर्ता परमिंदर सिंह झोटा की गोली मारकर हत्या

एजेंसी,मानसा । पंजाब के मानसा में नशे के खिलाफ अभियान चलाने वाले चर्चित कार्यकर्ता परमिंदर सिंह झोटा की मंगलवार सुबह गोली मारकर हत्या कर दी गई। हमले में उनके साथ मौजूद तीन अन्य युवक भी गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें मानसा के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है और स्थानीय लोगों में आक्रोश देखा जा रहा है। झोटा लंबे समय से पंजाब में नशीले पदार्थों की कथित अवैध बिक्री और युवाओं में बढ़ती नशे की समस्या के खिलाफ आवाज उठा रहे थे। उनके पिता ने हत्या के पीछे नशे के कारोबार से जुड़े लोगों का हाथ होने का आरोप लगाया है। उन्होंने पंजाब सरकार और मानसा के विधायक विजय सिंगला से कथित संबंधों का भी दावा किया है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, परमिंदर सिंह झोटा अपनी टीम के साथ एक मेडिकल स्टोर पर पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि वह सोशल मीडिया पर लाइव प्रसारण भी कर रहे थे। इसी दौरान गोलीबारी हुई, जिसमें झोटा को कई गोलियां लगीं। हालांकि, वारदात की पूरी परिस्थितियों और गोली चलाने वाले व्यक्ति की भूमिका की आधिकारिक पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी। प्रत्यक्षदर्शियों से मिली शुरुआती जानकारी के अनुसार, गोलीबारी के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। झोटा के साथ मौजूद लोगों ने घायलों को संभाला और उन्हें तत्काल मानसा के सिविल अस्पताल पहुंचाया।

वहां चिकित्सकों ने परमिंदर सिंह झोटा को मृत घोषित कर दिया।

जिलाधिकारी ने राजस्व वसूली की समीक्षा कर, वसूली में तेजी लाने के ने निर्देश दिए

उन्नाव । जिलाधिकारी श्री घनश्याम मीना जी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में कर–करेत्तर राजस्व एवं राजस्व कार्यो की समीक्षा बैठक आयोजित हुई।

बैठक में जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों द्वारा निर्धारित राजस्व लक्ष्य के सापेक्ष की गई वसूली की समीक्षा की। जिलाधिकारी ने लक्ष्य के सापेक्ष कम वसूली वाले विभागों पर नाराजगी व्यक्त कर सुधार को चेताया। इसी प्रकार वाणिज्य स्टाम्प एवं रजिस्टेशन वन विभाग, खनन, सिंचाई मंडी की वसूली लक्ष्य के सापेक्ष न होने सुधार किए जाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारीने सीएम डैशबोर्ड में खराब रैंक के चलते साथ ही वैठक में अनुपस्थित होने पर नाराजगी व्यक्त कर उपायुक्त उद्योग का स्पष्टिकरण काल करते हुए तत्काल प्रभाव से अग्रिम आदेशों तक बेतन रोकने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने जिला खनन अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि खनन विभाग के ऐमक्क के माध्यम से की गई कार्यवाही को गंभीरता से लेकर अधिक से अधिक राजस्व जमा कराया जाए इसी प्रकार सभी उपजिलाधिकारी राजस्व को बढ़ाएं नियमित राजस्व वसूली की समीक्षा किया जाए।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप राजस्व वसूली सुनिश्चित की जाए तथा बकायेदारों से नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई करते हुए लंबित राजस्व की वसूली में तेजी लाई जाए। उन्होंने कम वसूली वाले विभागों के अधिकारियों को विशेष प्रयास कर लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि राजस्व वसूली से संबंधित प्रकरणों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

जिलाधिकारी ने किया राजस्व कार्यों की समीक्षा

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने राजस्व कार्यो की भी समीक्षा किया । जिला अधिकारी ने तहसील न्यायालयों में लंबित वादों की समीक्षा कर प्राथमिकता के साथ वादों का निस्तारण किए जाने के निर्देश दिया । । राजस्व न्यायलयोंके लंबित वादों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि 5 वर्ष और 3 वर्ष से अधिक पुराना कोई भी वाद किसी भी न्यायालय में लंबित नहीं रहना चाहिए । उपजिला अधिकारी तहसीलदार और नायब तहसीलदार प्राथमिकता के साथ अभियान चलाकर रणनीति बनाकर वादों का निस्तारण करें। इसी प्रकार जिला अधिकारी ने अंश निर्धारण मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना बीमा योजना स्वामित्व योजना घरौनी के लंबित प्रकरणों का भी समय से निस्तारण किए जाने के निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि स्वामित्व योजना में अभियान चलाकर एक महीने में कार्य को पूर्ण किया जाए। इस अवसर पर अपर जिला अधिकारी वित्त राजस्व श्री सुशील कुमार गोंड़ अपर जिला अधिकारी नमामि गंगे विधेस, अपर जिलाधिकारी न्यायिक श्री अमिताभ यादव जी उप जिलाधिकारी सदर बांगरमऊ बीघापुर हसनगंज सफीपुर सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

ऊंचाहार देहात प्रधान धनराज यादव बने संगठन के राष्ट्रीय राष्ट्रीय सचिव

ऊंचाहार , रायबरेली । नगर से जुड़ी ऊंचाहार देहात के प्रधान धनराज यादव को प्रधानों के संगठन ग्रामीण सत्ता पंचायती राज संगठन का राष्ट्रीय सचिव मनोनीत किया गया है । उनके मनोनयन पर स्थानीय प्रधानों और संभ्रांत लोगों ने खुशी जताते हुए उन्हें बधाई दी है ।

पंचायती राज व्यवस्था और ग्रामीण भारत को अधिक सशक्त बनाने के लिए लगातार कार्य कर रहे धनराज यादव को यह जिम्मेदारी संगठन ने उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों को देखते हुए किया है ।

क्षेत्र के प्रधानों नरेंद्र यादव कोटिया चित्रा , राजू यादव हटवा , आनंद पांडेय पुरबारा , रंजीत सिंह , मनीष गौरम आदि ने बधाई दी है । नगर पंचायत अध्यक्ष के प्रतिनिधि कृष्ण चंद जायसवाल ने भी उन्हें बधाई दी है ।

आजमगढ़ में 23 से प्रदेश स्तरीय सीनियर पुरुष क्रिकेट प्रतियोगिता, उन्नाव में जिला ट्रायल 16 को

उन्नाव। पं. दीनदयाल उपाध्याय जन्मशताब्दी वर्ष 2026–27 के उपलक्ष्य में खेल निदेशालय, उत्तर प्रदेश की ओर से प्रदेश स्तरीय सीनियर पुरुष क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन 23 से 29 अक्टूबर 2026 तक स्पोर्ट्स स्टेडियम, आजमगढ़ में किया जाएगा। प्रतियोगिता में लखनऊ मंडल की टीम भी हिस्सा लेगी।

जिला क्रीड़ा अधिकारी मुकेश कुमार सभरवाल ने बताया कि लखनऊ मंडल की टीम के गठन के लिए मंडल स्तरीय चयनट्रायल 21 अक्टूबर 2026 को सुबह 8ः00 बजे से चौक स्टेडियम, लखनऊ में होगा। इस मंडलीय ट्रायल में शामिल होने के लिए उन्नाव जिला स्तर पर खिलाड़ियों का चयनट्रायल 16 अक्टूबर 2026 को सुबह 8ः00 बजे से पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्पोर्ट्स स्टेडियम, उन्नाव में आयोजित किया जाएगा। ट्रायल में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को अपने साथ सक्षम स्तर से जारी व प्रमाणित पात्रता प्रमाण–पत्र और जन्मतिथि प्रमाण–पत्र लेकर तय समय पर चयन स्थल पर उपस्थित होना अनिवार्य है।

चाइनीज मांझे से हो रही मौतों पर आजाद अधिकार सेना की पहल प्रभावी प्रतिबंध और जवाबदेही की मांग।

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सीतापुर । आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर के आह्वान पर आज जिला इकाइयों ने जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति महोदया को ज्ञापन भेजकर प्रतिबंधित चाइनीज मांझे से हो रही मौतों की रोकथाम प्रतिबंध के प्रभावी अनुपालन तथा नागरिकों के जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। पार्टी ने कहा कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण द्वारा प्रतिबंधात्मक निर्देश दिए जाने के बावजूद मांझे से संबंधित दुर्घटनाओं और मौतों की खबरें गंभीर चिंता का विषय हैं। गोरखपुर एवं वाराणसी में अक्टूबर 2026 में हुई घटनाएं प्रतिबंध के प्रभावी क्रियान्वयन और निगरानी व्यवस्था की समीक्षा की आवश्यकता को रेखांकित करती हैं। ज्ञापन में प्रतिबंधित मांझे के निर्माण भंडारण, बिक्री ऑनलाइन बिक्री एवं इस्तेमाल के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई सभी राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों से अनुपालन रिपोर्ट प्राप्त करने तथा गोरखपुर, वाराणसी सहित संबंधित घटनाओं की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई।

आजाद अधिकार सेना ने यह भी मांग की कि प्रतिबंधित मांझे की आपूर्ति के स्रोतों की पहचान की जाए और यदि जांच में किसी व्यक्ति या अधिकारी की लापरवाही प्रमाणित हो तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए। साथ ही आवश्यक होने पर प्रभावी केंद्रीय कानूनी व्यवस्था अथवा उपयुक्त विधायी संशोधन पर विचार किया जाए।

ज्ञापन के समय पार्टी की ओर नवल किशोर मिश्रा चन्द्र भानु सक्सेना प्रदीप कुमार माथुर भोला नाथ तिवारी रजत शुक्ला लक्ष्मी कांत बाजपेई आदि मौजूद रहे।

पीएम श्री विद्यालय खुर्रमपुर में न्याय पंचायत स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता संपन्न

ऊंचाहार, रायबरेली। विकास खंड ऊंचाहार के पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय खुर्रमपुर में न्याय पंचायत स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें न्याय पंचायत के पांच विद्यालयों खोजनपुर, हटवा, सराय सहिजन, मुरारमऊ एवं खुर्रमपुर के बच्चों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में ऊंची कूद में खोजनपुर के अमित, शॉटपुट में दीपांशु ने बाजी मारी, जबकि टीम स्पर्धा में वॉलीबॉल में हटवा और कबड्डी में मेजबान खुर्रमपुर की टीम विजेता रही।

इस अवसर पर प्राथमिक शिक्षक संघ ऊंचाहार के अध्यक्ष दिनेश कुमार सिंह ने कहा कि आज के समय में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई के साथ–साथ खेल भी बेहद जरूरी है। खेल से बच्चों में न केवल शारीरिक विकास होता है, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता भी विकसित होती है। इस तरह की प्रतियोगिताएं ग्रामीण अंचल के बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच प्रदान करती हैं। उन्होंने सभी विजेता बच्चों को बधाई देते हुए कहा कि ब्लॉक स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने वाले बच्चों को जनपद स्तर पर भेजा जाएगा। इस मौके पर प्रधान प्रतिनिधि विनय शुक्ला, राम नरेश बघेल, अवनींद्र, सत्येश वर्मा, जितेन्द्र, मनोज, ज्ञानेंद्र, अमित, जितेन्द्र सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षक और छात्र उपस्थित रहे।

उड़वा कांड में आरोपियों ने स्वीकारी थी जमीन कब्जे की बात

- खुद को गुंडा कहते नया वीडियो वायरल

ऊंचाहार , रायबरेली । जगतपुर के उड़वा गांव में बीते दिनों दुष्कर्म पीड़िता के साथ मारपीट और एक मासूम तथा उसकी मां पर हुए हमले के बाद प्रदेश की सियासत गर्म है । इसमें नित नए खुलासे हो रहे है । अब घटना में आरोपित का एक नया वीडियो वायरल हुआ है तथा आरोपियों द्वारा न्यायालय में दिए गए एक शपथ पत्र की कॉपी भी वायरल हो रही है । जिसमें उन्होंने खुद बल पूर्वक जमीन पर जबरन कब्जे की बात स्वीकार की है ।

उड़वा गांव की घटना के बाद दोनों पक्षों से एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप का दौर चल रहा है । इस बीत बीते दिनों कार से स्कूल जा रही मां और उसकी मासूम बेटी पर हुए हमले के आरोपित सत्यम मिश्र का एक वीडियो वायरल हुआ है । वायरल वीडियो ने वह गांव में खुलेआम यह कहता दिखाई देता है कि मैं गांव का गुंडा हूं । यही नहीं भाजपा मुर्दाबाद का नारा भी लगा रहा है । दूसरी ओर दलित दुष्कर्म पीड़िता को सरेआम बाल पकड़कर पीटने के मुख्य आरोपित गांव के प्रधान रमेश मिश्र द्वारा तहसील न्यायालय में पूर्व में ही दिए गए एक शपथ पत्र की प्रति भी वायरल हो रही है । जिसमें उन्होंने यह स्वीकार किया था कि गांव के एक भूखंड पर जबरन अवैध तरीके से कब्जा किया था , जिसमें वह लगातार काबिज है । इसी गांव में एक दलित की जमीन पर कब्जा करने का एक और मामला सोशल मीडिया में खूब वायरल है । जिसमें हाल की घटना में आरोपित सत्यम मिश्र ट्रैक्टर से खेत की जुताई कर रहा है । जबकि जमीन का विवाद दो दलितों के बीच है और कब्ज वह कर रहा है । सारे मामले सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद से प्रशासन पर नए प्रकार से दबाव बना है तथा गांव में कानून व्यवस्था को लेकर सवाल भी खड़ा हुआ है । सीओ गिरजा शंकर त्रिपाठी ने बताया कि गांव में हुई घटनाओं की जांच हरदोई पुलिस कर रही है । जिसमें साक्ष्य संकलित किए जा रहे है ।

छात्रा वंशिका बनीं एक दिन की सीडीओ, दिव्यांग बच्चे के आवास की समस्या को भी सुना

हरदोई,संवाददाता। मिशन शक्ति विशेष अभियान के तहत हरदोई में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, सुरसा की कक्षा आठ की छात्रा वंशिका को एक दिन के लिए मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) की प्रतीकात्मक जिम्मेदारी सौंपी गई। इस पहल के जरिए छात्रा को प्रशासनिक कामकाज समझने और जनसमस्याओं के समाधान की प्रक्रिया को करीब से जानने का अवसर मिला। मुख्य विकास अधिकारी नेहा ब्याडवाल ने वंशिका को प्रशासनिक कार्यप्रणाली, कार्यालय के दायित्वों, विकास योजनाओं और जनसुनवाई की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। छात्रा ने अधिकारियों के साथ बैठकर विभिन्न कार्यों को समझा और जनसुनवाई में आने वाली शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया को भी जाना। कार्यक्रम के दौरान एक महिला अपने दिव्यांग बेटे लंकेश के लिए आवास की मांग लेकर जनसुनवाई में पहुंचीं। महिला ने बताया कि उनका बेटा पूरी तरह दिव्यांग है और परिवार को उसके लिए सुरक्षित आवास की जरूरत है। एक दिन की सीडीओ की भूमिका निभा रहीं वंशिका ने इस मामले को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों से प्रकरण की जानकारी ली। इसके बाद मुख्य विकास अधिकारी नेहा ब्याडवाल ने संबंधित अधिकारी को परिवार की पात्रता के अनुसार जल्द आवास उपलब्ध कराने की दिशा मेंआवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

आईआईटी रुड़की करेगा सुहेली नदी के प्रवाह क्षेत्रों की अध्ययन

पलियाकलां (लखीमपुर खीरी)। दुधवा टाइगर रिजर्व की लाइफ लाइन कही जाने वाली सुहेली नदी को नया जीवनदान देने की तैयारी की जा रही है। नदी की धारा में बदलाव से कहीं जलस्तर कम हो गया है तो कहीं बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। अब नदी में जलप्रवाह की रवानी बनाए रखने के लिए हाइड्रो–इकोलॉजिकल अध्ययन कराया जाएगा। आईआईटी रुड़की के सहयोग से सुहेली नदी के प्रवाह क्षेत्रों की स्टडी की जाएगी। इसके लिए टीम दुधवा पहुंच गई है। दुधवा जंगल से निकली सुहेली नदी की वजह से ही जंगल के ग्रासलैंड की हरियाली है। इसके साथ ही वन्यजीवों को भी पानी इसी नदी से मिलता है। लेकिन पिछले कई सालों से सुहेली की जलधारा बदल रही है। इसकी वजह से कई एकड़ फसलें डूबी पड़ी हैं। जंगल के अंदर प्राकृतिक जल स्रोतों तक पानी कम पहुंच रहा है। सुहेली में बाढ़ की वजह से नाराज किसान धरने पर बैठे थे।

दुधवा प्रशासन सुहेली के बदले मिजाज को परखने के लिए अब हाइड्रो–इकोलॉजिकल अध्ययन करवाने जा रहा है। इसमें नदी के जलस्तर में गिरावट, प्राकृतिक मार्ग में आए अवरोधों और जल प्रवाह में बदलाव की पहचान की जाएगी। अध्ययन के लिए आईआईटी रुड़की से वैज्ञानिक प्रदीप सचान की अध्यक्षता में उनकी टीम पहुंच गई है। इस सप्ताह यह अध्ययन पूरा हो जाने की उम्मीद है। टीम नदी के प्रवाह की गति, बाहरी क्षेत्रों में जलभराव, भूमि कटाव और तलछट की संरचना से जुड़े नमूने भी एकत्र करेगी।

परियोजना के लिए करीब 86.76 लाख रुपये का बजट निर्धारित है। अध्ययन से मिले निष्कर्षों के आधार पर टीम नदी की सिल्ट सफाई, जल संचयन और नदी के पुनरुद्धार के संबंध में अंतिम तकनीकी रिपोर्ट सौंपेगी। रिपोर्ट से नदी में पानी की उपलब्धता और बाहरी इलाकों में बाढ़–जलभराव की समस्या के समाधान के लिए आगे की कार्रवाई तय करने में मदद मिलेगी।

दुधवा के उप निदेशक डॉ. जगदीश राज ने बताया कि हाइड्रो–इकोलॉजिक सर्वे में नदी के पानी और उससे जुड़े प्राकृतिक पर्यावरण का संयुक्त अध्ययन किया जाता है। इसमें देखा जाता है कि नदी में पानी कितना और किस रफ्तार से बहता है, उसका मार्ग या तल कैसे बदला है। इन बदलावों से नदी के आसपास के जीव–जंतुओं व उनके आवास पर क्या असर पड़ रहा है।

विभागीय जानकारी के अनुसार, सुहेली नदी में पानी घटने व दूसरे क्षेत्र में बाढ़ का एक प्रमुख कारण नदी में सिल्ट जमा होना बताया गया है। सिल्ट के नदी के तल और प्रवाह को प्रभावित कर सकती है, जिससे पानी का प्राकृतिक बहाव बाधित होता है। हालांकि सिल्ट को महत्वपूर्ण संभावित कारण नहीं कहा जा सकता है, लेकिन पूरी स्थिति सर्वे के निष्कर्षों से स्पष्ट होगी।

देर रात सरयू में कटान से मचा हड़कंप लोगों ने खाली किया घर

बांसडीह (बलिया) । सरयू नदी में रविवार की रात में अचानक तेज कटान से महाराजपुर गांव के सामने अफरातफरी मच गई। देर रात में ही ग्रामीणों के साथ ही नेताओं की भीड़ नदी किनारे जुट गई। ग्रामीणों की सूचना पर प्रशासन व बाढ़ विभाग के कर्मचारी पहुंच गए तथा कटान रोकने का काम शुरू कर दिया। सरयू नदी महाराजपुर गांव की रिहायशी बस्ती से सिर्फ 25 मीटर दूर रह गई है, जिससे ग्रामीणों में भय और दहशत का माहौल है। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे एसडीएम पुष्कर मिश्र, सीओ जयशंकर मिश्र और तहसीलदार नितिन कुमार सिंह ने बाढ़ विभाग के एक्सईएन और एई को रात में ही मौके पर बुलाया। तेज कटान से बिजली विभाग का दो खम्भा और एक ट्रांसफार्मर के अलावा लगभग तीन बीघा खेत भी नदी में समाहित हो गया। बाढ़ विभाग के एई आकाश यादव और जेई राजेन्द्र सिंह के साथ टीम ने रात में ही जियो बैग, प्लास्टिक की बोरियों और बांस के कट्टों से कटान रोकने की कोशिश शुरू कर दी। सोमवार की सुबह भी मजदूरों की टीम बांस के कट्टों में जियो बैग व बोरियां भरकर कटान रोकने में जुटी रही। हालांकि दिन में कुछ हद तक कटान की रफ्तार कम हो गई। दहशत के चलते गांव के लोग रात में ही अपने घर का सामान लादकर अन्यत्र जाने लगे। देर रात में ही विधायक प्रतिनिधि विश्राम सिंह, नीरज सिंह गुड्डू, नागेंद्र बहादुर सिंह झुन्नू, प्रवीण कुमार सिंह आदि मौके पर पहुंच गए थे। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि मुनीब यादव ने बताया कि डर से ग्रामीण घर छोड़कर सुरक्षित जगहों पर जाने लगे हैं। एसडीएम ने बताया कि चितबिसांवखुर्द प्राथमिक विद्यालय में अस्थाई शरणालय बनाया गया है। वहां खाने–पीने की व्यवस्था भी की गई है।

शिक्षक एवं स्नातक एमएलसी चुनाव की तैयारियों को लेकर बीजेपी की बैठक

हरदोई,संवाददाता। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय में मंगलवार शाम शिक्षक एवं स्नातक एमएलसी चुनाव की तैयारियों को लेकर बैठक हुई। अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष अवधेश द्विवेदी की मौजूदगी में आयोजित बैठक में चुनावी रणनीति, संगठनात्मक समन्वय और मतदाताओं से संपर्क बढ़ाने पर चर्चा की गई। इस दौरान नवीनीकृत बैठक कक्ष का उद्घाटन भी किया गया। इसका नाम जनसंघ के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष बाबू गंगा भक्त सिंह के नाम पर 'बाबू गंगा भक्त सिंह सभागार' रखा गया। बैठक में क्षेत्रीय अध्यक्ष अवधेश द्विवेदी ने ब्लॉक प्रमुखों, नगर पालिका अध्यक्षों और पार्टी पदाधिकारियों से मतदाताओं के बीच संपर्क बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने संगठन के विभिन्न स्तरों पर बेहतर तालमेल बनाकर चुनाव की तैयारियों में जुटने का आह्वान किया। साथ ही आगामी कार्यक्रमों में अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की।

अवधेश द्विवेदी ने बताया कि 16 अक्टूबर को शिक्षक एवं स्नातक मतदाता सम्मेलन आयोजित होगा। इसके बाद 17 अक्टूबर को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से आहूत सम्मेलन में भी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों की सहभागिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। बैठक में 23 अक्टूबर को प्रस्तावित स्नातक एमएलसी चुनाव के मद्देनजर मतदाताओं से संवाद और संगठन की सक्रियता बढ़ाने की रणनीति पर चर्चा हुई। भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने संगठन की मजबूती और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से आपसी तालमेल बनाए रखते हुए चुनाव संबंधी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने की अपील की। बैठक के दौरान मंच पर क्षेत्रीय उपाध्यक्ष पीके वर्मा, जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती, जिला महामंत्री एवं स्नातक चुनाव प्रभारी अनुराग मिश्रा तथा जिला उपाध्यक्ष एवं शिक्षक चुनाव प्रभारी संदीप सिंह मौजूद रहे। इसके अलावा सवायजपुर विधायक, ब्लॉक प्रमुखों, नगर पालिका अध्यक्षों और अन्य जनप्रतिनिधियों सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। इनमें धीरेन्द्र प्रताप सिंह, पन्ने सिंह, शुभम सिंह, अनिल राजपूत, कुशी वाजपेयी, धनंजय मिश्रा, श्यामू, पंकज शुक्ला, अनिल राठौर, बली मोहम्मद, प्रदीप अवस्थी और रुपेश अंजाना समेत अन्य लोग उपस्थित रहे। बैठक के बाद क्षेत्रीय अध्यक्ष अवधेश द्विवेदी ने गंगानगर कॉलोनी में मतदाताओं से संपर्क कर संवाद किया। बैठक में चुनावी तैयारियों को गति देने और संगठनात्मक समन्वय मजबूत करने पर जोर दिया गया।

सहारा इंडिया के पीड़ित जमाकर्ताओं को न्याय दिलाने की मांग राष्ट्रपति महोदया को भेजा प्रार्थना–पत्र

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सीतापुर। आजाद अधिकार सेना एवं ऑल इंडिया जन आंदोलन सहारा संघर्ष न्याय मोर्चा सीतापुर के जिला अध्यक्ष नवल किशोर मिश्रा ने सहारा इंडिया के पीड़ित जमाकर्ताओं की जमा धनराशि वापस दिलाने तथा एफआईआर संख्या 109¢23 कोतवाली सीतापुर से संबंधित प्रकरण में निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने महामहिम राष्ट्रपति महोदया भारत राष्ट्रपति भवन नई दिल्ली को प्रार्थना–पत्र भेजकर मामले में उचित संज्ञान लेने का अनुरोध किया है। प्रार्थना–पत्र में एफआईआर की विवेचना दाखिल एफआर पुनः जांच के आदेशों तथा लंबित जांच की स्थिति का निष्पक्ष

परीक्षण कराने की मांग की गई है। साथ ही संबंधित अभिलेखों की जांच कर नियमानुसार समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने और यदि किसी स्तर पर लापरवाही अथवा अनियमितता सामने आए तो जिम्मेदारी निर्धारित करने का अनुरोध किया गया है। नवल किशोर मिश्रा ने कहा कि सहारा इंडिया में अपनी मेहनत की कमाई जमा करने वाले अनेक लोग लंबे समय से अपनी धनराशि की वापसी की प्रतीक्षा कर रहे हैं। भुगतान न मिलने से प्रभावित परिवारों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में पात्र जमाकर्ताओं की शिकायतों और जमा संबंधी दस्तावेजों का परीक्षण कर उनकी धनराशि वापस दिलाने के लिए संबंधित सक्षम प्राधिकारियों को प्रभावी कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने राष्ट्रपति महोदया से अनुरोध किया है कि संबंधित अधिकारियों से मामले की वर्तमान स्थिति की जानकारी लेकर निष्पक्ष जांच और नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित कराने की कृपा करें। साथ ही प्रार्थना–पत्र पर की गई कार्यवाही से उन्हें लिखित रूप में अवगत कराया जाए। नवल किशोर मिश्रा ने कहा कि पीड़ित जमाकर्ताओं को न्याय और राहत दिलाना ही इस पहल का मुख्य उद्देश्य है।

सड़क हादसे में घायलों की मदद करने वालों को मिलेगा सम्मान

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं में घायल लोगों की मदद कर उन्हें समय पर अस्पताल पहुंचाने वाले नागरिकों को प्रोत्साहित करने के लिए राहवीर योजना के तहत पुरस्कार दिए जाएंगे। केंद्र सरकार ने इस योजना के अंतर्गत राहवीरों को पुरस्कृत करने के लिए यूपी परिवहन विभाग को 10 लाख रुपये की धनराशि उपलब्ध कराई है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार ने 21 सितंबर 2026 को जारी पत्र के माध्यम से इसकी जानकारी दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाने और जरूरत के समय घायलों की मदद करने वाले नागरिकों को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने 3 अक्टूबर 2021 को गुड सेमेरिटन को पुरस्कृत करने की योजना शुरू की थी। इसके तहत पहले वित्तीय चक्र में 36 गुड सेमेरिटन को पांच–पांच हजार रुपये

की पुरस्कार राशि दी गई थी। इसके बाद 21 अप्रैल 2025 को मंत्रालय ने गुड सेमेरिटन योजना को नए नाम श्राहवीर योजनाश के रूप में जारी किया। इसमें पुरस्कार राशि बढ़ाकर प्रति राहवीर 25 हजार रुपये कर दी गई। मंत्रालय ने योजना को 16वें वित्तीय चक्र में जारी रखने के निर्देश दिए हैं।

इसी क्रम में 21 सितंबर 2026 के पत्र के जरिए उत्तर प्रदेश को पुरस्कार वितरण के लिए 10 लाख रुपये उपलब्ध कराए गए हैं।परिवहन विभाग के मुताबिक उत्तर प्रदेश में 27 राहवीरों को 25–25 हजार रुपये की पुरस्कार राशि देने का प्रस्ताव है। इसके लिए जिला सड़क सुरक्षा समिति की अनुशंसा के आधार पर प्रस्ताव तैयार किए गए हैं। सितंबर 2026 में इन राहवीरों को पुरस्कृत करने के लिए केंद्र सरकार से धनराशि उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था। अब मंत्रालय की ओर से 10 लाख रुपये उपलब्ध कराए जाने से पुरस्कार वितरण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।राहवीर योजना का उद्देश्य सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को समय पर अस्पताल पहुंचाने और उसकी जान बचाने में मदद करने वाले नागरिकों को सम्मानित करना है। दुर्घटना के बाद शुरुआती समय में चिकित्सा सहायता मिलना बेहद महत्वपूर्ण होता है। ऐसे में बिना किसी स्वार्थ के घायलों की मदद करने वाले लोगों को आर्थिक पुरस्कार देकर प्रोत्साहित करना इस योजना का प्रमुख उद्देश्य है। योजना के तहत दुर्घटना पीड़ित को गोल्डन आवर यानी दुर्घटना के बाद के महत्वपूर्ण शुरुआती एक घंटे के भीतर अस्पताल पहुंचाने और चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने में योगदान देने वाले पात्र नागरिकों को पुरस्कृत किया जाता है। इससे लोगों को सड़क हादसों के समय घायलों की मदद के लिए आगे आने की प्रेरणा मिल सकती है।

विपक्ष आधारहीन मुद्दों पर जनता और सरकार का बर्बाद करता है समय : केशव

अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचे सरकारी योजनाओं का लाभ

लखनऊ,संवाददाता। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रयागराज में 'जनता दर्शन' में लोगों की समस्याएं सुनीं और समाधान के लिए अधिकारियों को दिशा–निर्देश दिए। जनसमस्याओं के समाधान को जनसेवा का महत्वपूर्ण दायित्व बताते हुए अधिकारियों से अपेक्षा की कि आमजन की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उनका नियमानुसार समयबद्ध निस्तारण किया जाए। जनता की समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता, प्रशासनिक जवाबदेही और योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुशासन के प्रमुख आधार हैं। पात्र लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से पात्र परिवारों को आवास, आयुष्मान भारत योजना के जरिए पात्र लाभार्थियों को स्वास्थ्य सुरक्षा, उज्ज्वला योजना के अंतर्गत स्वच्छ ईंधन तथा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत पात्र परिवारों को खाद्यान्न उपलब्ध कराने जैसी व्यवस्थाएं गरीब एवं वंचित वर्गों के जीवन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।उप मुख्यमंत्री ने संगठन और जनप्रतिनिधियों के बीच समन्वय को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देते हुए सरकार की योजनाओं, उपलब्धियों और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी आमजन तक पहुंचाई जानी चाहिए। इस अवसर पर भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ल एवं निर्मला पासवान उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबिता सिंह चौहान उपस्थित रहे।

वेदांता के नंद घर ने पोषण क्रांति को दी नई दिशा

लखनऊ,संवाददाता। 9वें राष्ट्रीय पोषण माह 2026 के समापन अवसर पर, वेदांता की सामाजिक प्रभाव इकाई अनिल अग्रवाल फाउंडेशन की प्रमुख पहल नंद घर ने पोषण को परिवार और समुदाय की साझा प्राथमिकता बनाने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। 'नंद घर का मिशन, संपूर्ण पोषण' के अंतर्गत आयोजित विभिन्न पहलों के माध्यम से नंद घर ने बच्चों, माताओं, पिताओं और समुदायों को एक साथ जोड़कर पोषण संबंधी जागरूकता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का प्रयास किया। नंद घर की सीईओ शशि अरोड़ा ने कहा हमारे चेयरमैन श्री अनिल अग्रवाल का नंद घर के लिए दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करना है कि हर बच्चा बेहतर पोषण, शिक्षा और देखभाल के माध्यम से आगे बढ़े, साथ ही महिलाओं को स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य के निर्माण के लिए सशक्त बनाया जाए। ह

संक्षिप्त समाचार

खादी भवन में 50 से अधिक स्टॉल

लखनऊ,संवाददाता। भारतीय हस्तशिल्प, पारंपरिक कला और कारीगरों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने की दिशा में फिक्की फ्लो लखनऊ ने चेयरपर्सन सिमरन साहनी के नेतृत्व में डालीबाग स्थित खादी भवन में 'आर्टिसन मेला सीजन–3' का आयोजन किया। मेले का उद्घाटन खादी ग्राम उद्योग के सीईओ शिशिर ने किया । मेले में देश के विभिन्न राज्यों से आए कारीगरों और बुनकरों ने अपने पारंपरिक उत्पादों एवं कलाकृतियों का प्रदर्शन किया। इस पहल का उद्देश्य कारीगरों को बाजार उपलब्ध कराने, उनकी कला को पहचान दिलाने और उन्हें ग्राहकों से सीधे जोड़कर आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है। छोटी–सी पहल के रूप में शुरू हुआ यह मेला आज एक व्यापक मंच का रूप ले चुका है। इस संस्करण में 50 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं, जिनमें उत्तर प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, ओडिशा, कश्मीर, पंजाब, महाराष्ट्र, बंगाल सहित कई राज्यों के कारीगर भाग ले रहे हैं।

बाढ़ प्रभावित फैजुल्लागंज में दो दिवसीय राहत शिविर लगा

लखनऊ,संवाददाता। पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के रेल कर्मचारियों ने फैजुल्लागंज के बाढ़ प्रभावित दाऊद नगर में दो दिवसीय राहत शिविर लगाकर पीड़ित परिवारों की मदद की। एनई रेलवे मेंस कांग्रेस लखनऊ मंडल के मंडल मंत्री राकेश चंद्र वर्मा के आह्वान पर इंडियन रेलवे एम्पलाइज फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश पांडे और केंद्रीय अध्यक्ष सुभाष दुबे के सहयोग से मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में अधिकारियों–कर्मचारियों से आर्थिक सहयोग मांगा गया। सुपरवाइजरों और अधिकारियों के सहयोग से करीब डेढ़ लाख रुपये जुटाए गए। राकेश चंद्र वर्मा के नेतृत्व में शिविर में दोनों दिन भोजन वितरित किया गया। दूसरे दिन नाव से 200 परिवारों तक राशन पहुंचाया गया। राहत सामग्री में 3.5 कुंतल आटा, 2.5 कुंतल चावल, 1.5 कुंतल आलू, 60 किलो अरहर दाल, 80 किलो भुना चना, 200 ओडोमास, 25 बैग पानी, 200 बोतल तेल और बच्चों के लिए 450 पैकेट नमकीन–बिस्किट बांटे गए। भंडारे में आटा, आलू, कद्दू और गोभी की व्यवस्था की गई। विधायक नीरज बोरा और अपर्णा यादव ने इस कार्य की प्रशंसा की।

मंदिर के दानपात्र से रुपए चोरी

लखनऊ,संवाददाता। पीजीआई थाना क्षेत्र की सिंचाई कॉलोनी स्थित बाबा राम प्रसाद मंदिर में सोमवार रात चोरी का मामला सामने आया। आरोप है कि एक व्यक्ति मंदिर के दानपात्र से रुपए निकालने के बाद पुजारी की साइकिल लेकर भाग रहा था। पुजारी के शोर मचाने पर स्थानीय लोगों ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस को आरोपी के कब्जे से साइकिल और दानपात्र से चोरी किए गए 3,640 रुपए मिले। चिरैया बाग निवासी करन यादव के मुताबिक, घटना सोमवार रात करीब 11.30 बजे की है। मंदिर से पुजारी के चिल्लाने की आवाज सुनकर वह अपने साथी मनोज के साथ मौके पर पहुंचे। दोनों ने मंदिर से कुछ दूरी पर साइकिल लेकर भाग रहे व्यक्ति को पकड़ लिया। इसके बाद पुजारी भी वहां पहुंच गए। पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम अमन अहमद बताया। वह तेलीबाग में सीएनजी पेट्रोल पंप के पास का रहने वाला बताया गया है। शिकायतकर्ता के अनुसार, उसके पास से पुजारी की साइकिल और दानपात्र से निकाले गए 3,640 रुपए बरामद हुए।

जनता मार्केट के नव नियुक्त पदाधिकारियों ने व्यापारियों के हितों की रक्षा की शपथ ली

लखनऊ,संवाददाता। मंगलवार को उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल, जनता मार्केट,गोमती नगर इकाई के तत्वावधान में मलिक टिम्बर चौराहे पर स्थित जनता मार्केट ,गोमती नगर के प्रांगण में उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल, जनता मार्केट गोमती नगर की नवगठित कमेटी के नवनियुक्त पदाधिकारों का शपथ ग्रहण समारोह एवं व्यापारी सममेलनष का आयोजन हुआ। शपथ ग्रहण समारोह एवं व्यापारी सम्मेलन में उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे तथा प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल ,जनता मार्केट, गोमती नगर की नवगठित इकाई के नवनियुक्त पदाधिकारियों को व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए संघर्ष करने की शपथ दिलाई। जनता मार्केट ,गोमती नगर के वरिष्ठ व्यापारी रमेश कुमार सिंह को अध्यक्ष, अनुज कुमार वर्मा को वरिष्ठ महामंत्री, सत्यनारायण तिवारी को महामंत्री ,नरेंद्र कुमार वर्मा को कोषाध्यक्ष, श्रीमती माला गुप्ता मो.अफजल को कार्यकारिणी सदस्य एवं वरिष्ठ व्यापारी शंकर लाल पटवा को संरक्षक पद की शपथ दिलाई।

आंचलिक विज्ञान नगरी में देश के पहले स्वदेशी 10-डी थिएटर का भव्य उद्घाटन

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी के अलीगंज स्थित आंचलिक विज्ञान नगरी में देश के पहले स्वदेशी 10–डी {दस– आयामी} थिएटर का भव्य शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर राजधानी के विभिन्न निजी व सरकारी विद्यालयों के 400 से अधिक छात्र–छात्राओं ने 10–डी के रोमांच का जीवंत अनुभव किया। विज्ञान नगरी स्थित 10–डी थिएटर का उद्घाटन मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने विशिष्ट अतिथि विधायक लखनऊ उत्तर, डॉक्टर नीरज गोर के साथ दीप प्रजालान के साथ किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र, नई दिल्ली के निदेशक विजय शंकर सरमा, सीमैप के निदेशक, डॉ प्रबोध कुमार त्रिवेदी भी उपस्थित थे। बच्चों को संबोधित करते हुए रजनी तिवारी ने कहा कि लखनऊ विज्ञान और इनोवेशन का हब बन रहा है जिससे अपार संभावनाओं के द्वार खुल रहे हैं।

खाद्य प्रसंस्करण की 51 परियोजनाओं को मंजूरी

लखनऊ,संवाददाता। प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को बढ़ावा देने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। खाद्य प्रसंस्करण विभाग की ओर से ग्रामीण क्षेत्रों में औद्योगिक इकाइयों की स्थापना को प्रोत्साहित किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति–2023 के तहत हाथरस, सीतापुर, आगरा, बरेली, पीलीभीत, गोरखपुर, शाहजहांपुर, लखनऊ, बदायूं, आजमगढ़, बाराबंकी, गोरखपुर, लखीमपुर खीरी, श्रावस्ती, इटावा, कुशीनगर, एटा, कानपुर नगर, बहराइच, बिजनौर, वाराणसी, बुलंदशहर, अलीगढ़, रामपुर और हरदोई में इकाइयां स्थापित हेतु 51 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। इन परियोजनाओं पर कुल 276.80 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है। स्वीकृत प्रस्तावों के सापेक्ष 65.5501 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की जा चुकी है।एपीसी की अध्यक्षता में गठित राज्य स्तरीय इम्पावर्ड समिति एसएलईसी ने उप मुख्यमंत्री की स्वीकृति के बाद इन प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की। सरकार का उद्देश्य खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में निवेश बढ़ाने के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है।खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना से किसानों को अपनी उपज के लिए नए बाजार मिलने की संभावना है। योजनांतर्गत स्थापित होने वाली इकाइयों में कच्चे माल की आपूर्ति प्राथमिकता के आधार पर स्थानीय किसानों के सहयोग से किए जाने पर जोर दिया गया है। इससे किसानों की उपज का प्रसंस्करण कर उसका मूल्य संवर्धन किया जा सकेगा। साथ ही कृषि उत्पादों की बर्बादी कम करने और ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियां बढ़ाने में मदद मिलेगी।ग्रामीण क्षेत्रों में इकाइयां स्थापित होने से युवाओं को रोजगार मिलेगा जबकि महिलाओं को उद्यमिता से जुड़ने के अवसर प्राप्त होंगे। छोटे उद्यमियों और किसानों को भी कृषि आधारित उद्योगों से जुड़कर अपनी आय बढ़ाने का अवसर मिल सकेगा।

बॉन्डेड डॉक्टरों ने गांधी प्रतिमा पर प्रदर्शन किया

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी में मंगलवार को बॉन्डेड डॉक्टरों ने गांधी प्रतिमा पर प्रदर्शन किया। इस दौरान हिरासत में लिए जा रहे डॉक्टरों को ले जाने के लिए पुलिस बस लेकर पहुंची। तभी कुछ महिला डॉक्टर बस के सामने डटकर खड़ी हो गईं। इस दौरान मुंबई में हुए प्रदर्शन जैसा नजारा देखने को मिला। प्रदर्शन उत्तर प्रदेश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में 2018, 2019 और 2020 बैच के बॉन्डेड डठठे डॉक्टरों ने किया। डॉक्टरों का आरोप है कि समान डिग्री, बॉन्ड और सेवा की शर्तें होने के बावजूद उन्हें अलग–अलग वेतन दिया जा रहा है। डॉक्टरों ने वेतन में समानता लागू करने और बकाया एरियर का भुगतान करने की मांग की। डॉक्टरों का आरोप है कि 2 सितंबर को डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने मांगें पूरी करने और 24 घंटे में शासनादेश जारी करने का आश्वासन दिया था, लेकिन 40 दिन बीत जाने के बाद भी अब तक वादा पूरा नहीं हुआ। डॉक्टरों के मुताबिक, 2 सितंबर को हजरतगंज स्थित गांधी प्रतिमा पर करीब एक घंटे तक प्रदर्शन किया गया था। डॉक्टर वेतन में असमानता को लेकर नारेबाजी कर रहे थे और डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक से मुलाकात की मांग पर अड़े थे। इसके बाद डिप्टी सीएम बारिश में भीगते हुए गांधी प्रतिमा पहुंचे और करीब 20 मिनट तक डॉक्टरों से बातचीत की। डॉक्टरों का कहना है कि उस दौरान डिप्टी सीएम ने बताया था कि मांगों से जुड़ी पत्रावली पूरी हो चुकी है। उन्होंने अगले दिन दोपहर 2 बजे तक समान वेतन समेत सभी मांगों को पूरा करने का शासनादेश जारी होने का भरोसा दिया था। इसके बाद डॉक्टरों ने प्रदर्शन खत्म कर दिया था। हालांकि, डॉक्टरों का आरोप है कि अब तक शासनादेश जारी नहीं हुआ है। डॉक्टरों के मुताबिक बॉन्ड सेवा के तहत उन्हें दो वर्ष की अनिवार्य सेवा या 10 लाख रुपए के बॉन्ड की बाध्यता के तहत ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्रों के सीएचसी, पीएचसी समेत अन्य सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में सेवाएं देनी पड़ती हैं। इसके बदले उन्हें करीब 50 से 55 हजार रुपए प्रतिमाह मानदेय मिल रहा है। वहीं, डॉक्टरों का दावा है कि इसी एमबीबीएस डिग्री, समान बॉन्ड, काउंसलिंग और प्रक्रिया के तहत सरकारी चिकित्सा महाविद्यालयों में बॉन्ड सेवा कर रहे डॉक्टरों को करीब 1.10 लाख रुपए प्रतिमाह तक पारिश्रमिक मिल रहा है। डॉक्टरों ने इसे वेतन में गंभीर असमानता बताते हुए समान वेतनमान लागू करने की मांग की।

युवक का शव संदिग्ध हालत में पानी भरे तालाब में उतराता मिला

लखनऊ,संवाददाता। बंथरा थाना क्षेत्र में मंगलवार दोपहर एक युवक का शव संदिग्ध हालत में पानी भरे तालाब में उतराता मिला। वह दो दिन पहले कमरे से ड्यूटी के लिए निकला था। इसके बाद से उसका कोई पता नहीं था। मंगलवार को उसका शव मिलने के बाद परिजनों की सूचना दी गई। पुलिस की शुरुआती जांच में शराब का आदी होने की बात सामने आई है। पुलिस के मुताबिक, बहराइच जिले के नानपारा थाना अंतर्गत जोधापुर निवासी अर्जुन (30) बंथरा थाना क्षेत्र के बेंती स्थित रामगढ़ी के पास बनी–मोहान रोड के किनारे स्थित सेफ एक्सप्रेस कूरियर के वेयरहाउस परिसर स्थित कमरे में रहकर पिछले दो माह से यहां लोडिंग अनलोडिंग का काम करता था। रविवार को दोपहर बाद करीब 3 बजे अर्जुन अपने कमरे में ताला बंद कर कहीं निकल गया। रात में 9 बजे से उसकी ड्यूटी थी। लेकिन तब तक वह वापस नहीं नजर आया तो वहां काम करने वाले अन्य मजदूरों ने इसकी सूचना अर्जुन के दोस्त बबलू को दी। बबलू भी अर्जुन के गांव के पास का ही रहने वाला है और वह यहां वेयरहाउस के बाहर किराए के कमरे में अपनी पत्नी के साथ रहकर अर्जुन के साथ ही काम करता है। लेकिन बबलू कुछ दिन पहले पत्नी को लेकर अपने गांव चला गया था। बबलू को जब अर्जुन के लापता होने की जानकारी मिली तो सूचना के बाद बबलू रविवार रात में ही गाव से यहाँ पहुंचा और अर्जुन की खोजबीन शुरू कर दी।

लेकिन उसका पता नहीं चला। सोमवार को बबलू ने इसकी सूचना अर्जुन के परिवार वालों को दी। वहीं मंगलवार दोपहर वेयरहाउस से करीब 200 मीटर दूर बनी –मोहान रोड के किनारे स्थित ढाबा के कर्मचारियों को पास के ही पानी भरे तालाब में एक युवक का शव उतराते नजर आया। तब इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने छानबीन की तो मृतक बनियान और अंडरवियर पहने पानी में औंधे में पड़ा था।

लक्ष्मण टीला में कारसेवा की तैयारी शुरू, प्रशासन को दी जानकारी

लखनऊ,संवाददाता। आगामी छह दिसम्बर को लक्ष्मण टीला स्थित टीलेश्वर महादेव मन्दिर के प्रांगण में कारसेवा की तैयारी पूरी जोरों से शुरू कर दी गयी है। अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा के तत्वावधान में होने जा रही इस कारसेवा को लेकर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित जिला एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारियों को कार्यक्रम की जानकारी देने के लिये पत्र भी भेजा है, जिसमें श्री त्रिवेदी ने यह भी अवगत कराया है कि लक्ष्मण टीला स्थित टीलेश्वर महादेव का प्रागण खसरा संख्या–14 पूरी तरह गैर विवादित है, इसीलिये संगठन उक्त स्थल पर शान्तिपूर्ण ढंग से कारसेवा करने जा रहा है।

श्री त्रिवेदी ने टीलेश्वर महादेव मन्दिर को लेकर बताया कि पांच जून 2001 को तथाकथित टीले वाली मस्जिद के इमाम ने अपने मुस्लिम साथियों के साथ मिलकर मन्दिर को तोड़ दिया था, जिसकी रिपोर्ट चौक कोतवाली में पांच व छह जून 2001 को दर्ज करायी गयी थी और उच्च न्यायालय लखनऊ खण्डपीठ में दायर याचिका संख्या 2388 (एमवी) 2013 और अपर न्यायालय मजिस्ट्रेड पश्चिम के पारित आदेश दिनांक 19 मार्च 2013 के क्रम में हुये मौके मुआयने में चबूतरानुमा संरचना पायी गयी थी, और आज भी चबूतरी, सीढ़ी व कुआं आदि के अवशेष मौजूद है। जिसका विवादित भूमि टीले वाली मस्जिद से कोई लेना–देना नहीं है। जिस पर सनातन जनमानस के भावनाओं के अनुरूप आगामी छह दिसम्बर को मन्दिर प्रांगण में जाकर कारसेवा करने का निर्णय लिया गया है। श्री त्रिवेदी ने बताया कि कारसेवा को लेकर जल्द ही पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की बैठक बुलायी जायेगी जिसमें कारसेवा की तैयारियों को लेकर अन्तिम रूप दिया जायेगा।

कार चोरी की कोशिश, सायरन बजा तो तालाब में कूदा संदिग्ध

लखनऊ,संवाददाता। तेलीबाग के नेपालगंज में सोमवार देर रात घर के बाहर खड़ी कार चोरी करने की कोशिश की गई। दो लोग कार का शीशा तोड़कर उसे स्टार्ट करने लगे, लेकिन गाड़ी में लगे डिवाइस के कारण वह स्टार्ट नहीं हुई। इस बीच पड़ोसी बच्चा प्रजापति,निशांत साहू,प्रशांत साहू और अनुराग साहू बाहर निकले।

आरोप है कि एक संदिग्ध को देखकर लोगों ने उसका पीछा किया तो वह तालाब में कूद गया। तालाब से बाहर निकलने के बाद वह जुगल किशोर ज्वैलर्स के

बगल वाली गली में छिप गया,जहां लोगों ने उसे पकड़ लिया। प्रार्थना पत्र के अनुसार, तेलीबाग चौकी पुलिस को सूचना दी गई थी। हालांकि, पकड़ा गया व्यक्ति किसी तरह वहां से भाग निकला।पूछताछ में उसने अपना नाम नहीं बताया और खुद को बहराइच का रहने वाला बताया। मौके पर मिला मोबाइल फोन पुलिस को सौंप दिया गया। रवि सिंह ने आरोप लगाया कि दूसरा संदिग्ध कार के कागजात और अंदर रखा अन्य सामान लेकर पहले ही भाग गया था। घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में घटना रिकॉर्ड होने और संदिग्धों की तस्वीरें पुलिस को उपलब्ध कराने की बात भी कही गई है।

सायरन बजने लगा तो आसपास के लोग जाग गए। लोगों को आता देख संदिग्ध भागने लगे। एक संदिग्ध तालाब में कूद गया। बाद में उसे पकड़ लिया गया, लेकिन वह पुलिस के पहुंचने के बाद मौके से भाग निकला। यह आरोप कार मालिक ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में लगाया है। रवि सिंह के मुताबिक, घटना 12 अक्टूबर की रात करीब 1.30 से 2 बजे के बीच की है। उनकी कार घर के बाहर खड़ी थी।इसी दौरान दो लोगों ने ड्राइवर साइड का शीशा तोड़ दिया और कार स्टार्ट करने का प्रयास किया। कार स्टार्ट नहीं हुई और सायरन बजने लगा। आवाज सुनकर

स्द्गह्ळ ष्द्य स्क्कह्य%ठ्ठह्न द्ध्द्र द्धह्यस्ब्ह्यह्ल स्द्धर्द्ध;ठ्ठह्यड्ड स्न्ठ्ठ ट्ठ%र्द्धंह्न

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी के कमता स्थित अवध बस स्टेशन पर रोडवेज के चालक–परिचालकों का विरोध प्रदर्शन तेज हो गया है। कर्मचारियों का आरोप है कि बस स्टेशन के मुख्य गेट के सामने डायवर्जन होने और निजी वाहनों के अवैध संचालन से रोडवेज बसों को यात्री नहीं मिल पा रहे हैं। इसके चलते बसों का संचालन प्रभावित हो रहा है और यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ रही है। कर्मचारियों का कहना है कि जिन जगहों पर रोडवेज बसों को यात्री लेने पहुंचना चाहिए, वहां निजी बसें और आर्टिगा जैसी गाड़ियां सवारियां भर रही हैं। इससे परिवहन निगम की कमाई घट रही है। कर्मचारियों के मुताबिक, तय आय पूरी नहीं होने पर उनके वेतन से कटौती की जाती है। वे इस व्यवस्था का विरोध कर रहे हैं और आय की 50 प्रतिशत बाध्यता खत्म करने की मांग कर रहे हैं। कर्मचारियों का आरोप है कि समस्या की जानकारी अधिकारियों को होने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नहीं पहुंच रहे हैं। इस बीच पुलिस प्रशासन और कर्मचारियों के बीच बातचीत के साथ तनातनी की स्थिति बनी हुई है। बसों का संचालन प्रभावित होने से यात्रियों को आवागमन में दिक्कतें हो रही हैं। रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद, उत्तर प्रदेश की अवधा डिपो शाखा ने कर्मचारियों की लंबित समस्याओं और कथित उत्पीड़नात्मक कार्रवाई के विरोध में आंदोलन जारी रखने का निर्णय लिया है। शाखा अध्यक्ष सुरेश कुमार वर्मा और मंत्री कान्तेश कुमार शर्मा के मुताबिक, इन समस्याओं को लेकर 7 अक्टूबर को नोटिस दिया गया था। इसके बाद 9 अक्टूबर और 12 अक्टूबर को प्रबंधन के साथ द्विपक्षीय वार्ता हुई, लेकिन कर्मचारियों की मांगों पर कोई ठोस समाधान नहीं निकल सका। परिषद का कहना है कि पूर्व घोषित आंदोलनात्मक कार्यक्रम के तहत 16 अक्टूबर को सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक धरना–प्रदर्शन किया जाएगा। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि आंदोलन से पहले या उसके दौरान किसी कर्मचारी के खिलाफ उत्पीड़नात्मक या दमनात्मक कार्रवाई की गई तो उसका विरोध किया जाएगा। परिषद ने निगम प्रशासन से कर्मचारियों की समस्याओं का जल्द और न्यायसंगत समाधान करने की मांग की है।

पशुधन बीमा योजना हेतु 38.33 लाख रूपये की धनराशि स्वीकृत

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश सरकार ने जनजातीय क्षेत्र उपयोजना के तहत जोखिम प्रबंधन एवं पशुधन बीमा योजना हेतु वर्तमान वित्तीय वर्ष में 38 लाख 33 हजार रूपये की धनराशि स्वीकृत की है। इस संबंध में पशुधन विभाग द्वारा शासनादेश जारी कर दिया गया है। शासनादेश में निदेशक, प्रशासन एवं विकास, पशुपालन विभाग को निर्देशित किया गया है कि स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय राज्य सरकार तथा भारत सरकार द्वारा अनुमोदित कार्ययोजना के अनुसार योजना की गाइडलाइन्स का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा। धनराशि का व्यय केवल उन्हीं मदों पर किया जायेगा जिस मद के लिए धनराशि स्वीकृत की जा रही है। आंकड़ों की शुद्धता का दायित्व निदेशक, प्रशासन एवं विकास, पशुपालन विभाग, उ0प्र0,मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उ0प्र0 पशुधन विकास परिषद लखनऊ का होगा।

पशु प्रजनन सुविधाओं का सुधार एवं विस्तार हेतु 400.00 लाख रूपये की धनराशि स्वीकृत

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश सरकार ने अनुसूचित जातियों के लिए विशेष घटक योजना के तहत गायों एवं भैसों में कृत्रित गर्भाधान द्वारा पशु प्रजनन सुविधाओं का सुधार एवं विस्तार तथा बैफ के माध्यम से प्रजनन सुविधायें उपलब्ध कराये जाने हेतु वर्तमान वित्तीय वर्ष में 400.00 लाख रूपये की धनराशि स्वीकृत की है। इस संबंध में पशुधन विभाग द्वारा शासनादेश जारी कर दिया गया है। शासनादेश में प्रदेश के सभी मुख्य पशु चिकित्साधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए है कि स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण एवं व्यय भारत सरकारध्राज्य सरकार द्वारा एससीएसपी,टीएसपी हेतु निर्धारित मानकों,अनुमोदित कार्ययोजना एवं निर्धारित मदों में योजना हेतु निर्धारित गाइडलाइन्स का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए व्यय विवरण सहित उपयेगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।

लव मैरिज के बाद युवती की मौत

अमेठी,संवाददाता। जिले के पीपरपुर थाना क्षेत्र के हीरापुर गांव में मंगलवार सुबह 23 साल की रोशनी का शव घर की छत पर फंदे से लटका मिला। रोशनी ने करीब एक साल पहले प्रेम विवाह किया था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतका की मां विमला ने ससुराल वालों पर बेटी की हत्या का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि उनकी बेटी को प्रेम जाल में फंसाकर मार दिया गया। रोशनी ने हीरापुर निवासी राहुल कुमार से शादी की थी। बताया जा रहा है कि सोमवार को रोशनी अपने पति और ससुराल वालों के साथ कालिकन धाम गई थी। मुंडन संस्कार से लौटने के बाद पति–पत्नी के बीच कहासुनी हुई थी।

संपादकीय

विदेशी दरवाजे संकुचित

श्श्रमिक निर्यात्य की नीति दरअसल देश में रोजगार सृजन की विफलता को ढकने की कोशिश रही है। इस बीच अंतरराष्ट्रीय राजनीति में आव्रजक विरोधी मुद्दों के प्रमुखता पाने से इस मॉडल के लिए चुनौतियां बढ़ी हैं। सूत्रों आगाह किया है कि भारत श्रमिकों के निर्यात के जिस मॉडल को आगे बढ़ा रहा था, उसकी सीमा अब आ गई है। सूत्रों ने इस मॉडल की तुलना चीन के कारखाना उत्पादों की आक्रामक निर्यात नीति से की है, जिसे अब पश्चिम में श्चाइना शॉक 2.0य कहा जा रहा है, और जिसको लेकर पश्चिमी देश अब जवाबी कार्रवाई कर रहे हैं। सूत्रों ने कहा है कि उसी तर्ज पर श्इंडिया शॉक्य को राजनीतिक एवं आर्थिक चुनौतियां मिलनी शुरू हो गई हैं। इस आकलन के मुताबिक श्इंडिया शॉक्य जल्द ही श्वैश्विक प्रतिरोध की दीवारय से टकरा सकता है। आरंभ में ष्श्रम निर्यातष को भारत की विकास रणनीति के रूप में देखा गया। देश के अंदर बेरोजगारी का दबाव घटाने, विदेशी मुद्रा हासिल करने, और यहां तक कि कूटनीतिक प्रभाव बढ़ाने के लिहाज से अल्पकाल में यह नीति मददगार रही। यह निर्विवाद है कि भारत में युवा श्रमशक्ति की अधिकता है। उन तकाजों के मुताबिक रोजगार पैदा नहीं हुए हैं। इस पृष्ठभूमि में भारतीय कर्मियों को जर्मनी, जापान, इजराइल, खाड़ी देशों आदि में रोजगार दिलाने की सरकारी नीति का औचित्य समझा जा सकता है। बाहर से कमा कर भेजी गई रकम से ना सिर्फ संबंधित व्यक्ति के परिवार की माली हालत सुधरती है, बल्कि देश के लिए विदेशी मुद्रा का वह प्रमुख स्रोत भी है। बहरहाल, इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए कि यह नीति असल में देश में रोजगार सृजन की विफलता को ढकने की कोशिश रही है। इस बीच अंतरराष्ट्रीय राजनीति में आव्रजक विरोधी मुद्दों के प्रमुखता पाने से इस मॉडल के लिए चुनौतियां बढ़ी हैं। यूरोप, अमेरिका, और यहां तक कि खाड़ी देशों में भी आव्रजक– विरोधी भावनाएं बढ़ रही हैं। ईरान युद्ध ने पश्चिम एशिया में नया संकट खड़ा किया है। इसलिए अब इस नीति पर पुनर्विचार का वक्त आ गया है। यह समझने की जरूरत है कि अपनी अर्थव्यवस्था का आधार व्यापक किए बिना देश और यहां के आवाम की खुशहाली का कोई ठोस एवं स्थायी विकल्प नहीं है। जब विदेशी दरवाजे संकुचित हो रहे हों, तब तो यही एकमात्र रास्ता रह जाता है।

न्यायपालिका की तरफ बढ़े जनता के कदम

सोमवार 12 अक्टूबर को देश की राजधानी दिल्ली में विपक्षी दलों के नेतृत्व में आम जनता ने अभूतपूर्व विरोध–प्रदर्शन किया। राहुल गांधी के एक आह्वान पर लाखों की संख्या में लोग जुटे, क्योंकि अब सवाल महज भ्रष्टाचार, काला धन, पेपर लीक, लड़कियों की सुरक्षा, सांप्रदायिक उन्माद जैसे मुद्दों का नहीं है, सवाल अपने नागरिक होने के हक को बचाने का है। अगर करोड़ों लोग वोट देने के अधिकार से ही वंचित कर दिए जाते हैं, तो फिर वे इस लोकतंत्र का हिस्सा भी नहीं रह जाएंगे। करोड़ों लोगों के वोटर लिस्ट से नाम कटने का मतलब है लोकतंत्र का ही खत्म हो जाना। ऊपर जिन मुद्दों का जिक्र किया गया है, उन पर देश में कई बार नाराजगी दिखाते हुए जनता सड़कों पर आई है। राजधानी दिल्ली में भी जे पी आंदोलन से लेकर अन्ना आंदोलन या पिछले बरसों में किसान आंदोलन, शाहीन बाग आंदोलन जैसी घटनाएं घटी हैं। ऐसे हरेक आंदोलन के पीछे सामाजिक, गैर सरकारी संगठन या विभिन्न राजनैतिक दल होते हैं। वे सरकार के खिलाफ अपने आक्रोश को दिखाने या अपनी मांगों के लिए सड़क पर उतरते हैं, सरकारें ताकत दिखाने के लिए कभी दमनकारी पैंतरे आजमाती है, कभी थोड़ी बहुत तकरार और बहस के बाद दोनों पक्ष बातचीत की मेज पर आते हैं। लेकिन वोट चोरी के मुद्दे पर जनता की नाराजगी और विपक्ष के आह्वान पर खड़े हुए आंदोलन में केवल एक ही पक्ष तस्वीर में दिखाई दे रहा है। दूसरे पक्ष यानी सरकार की तरफ से केवल पुलिस, सुरक्षा बल या दक्षिणपंथी संगठनों के गुंडे–मवाली ही नजर आ रहे हैं। जिनसे शिकायत है, यानी प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, मुख्य चुनाव आयुक्त वे सब तस्वीर से इस तरह गायब हैं, मानो उन्हें जनता से कोई सरोकार ही नहीं है। उन्हें सत्ता मिल चुकी है और अब जनता उनकी नजरों से गायब है। इसलिए राहुल गांधी ने पहले ही आह्वान किया था कि अब वे इंडिया ब्लॉक की तरफ से भारत के मुख्य न्यायाधीश से मिलने जाएंगे और अपनी शिकायतों को उनके सामने रखेंगे। हालांकि सुबह ही मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने ऐसी किसी मुलाकात के लिए अपनी सहमति नहीं दी। उनका कहना था कि सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे सभी के लिए खुले हैं। कोई भी याचिका दायर कर सकता है, चाहे वह आम नागरिक हो या किसी निर्वाचित निकाय का सदस्य। भारत के हर नागरिक को हमारे पास आने का अधिकार है। हम कानून के अनुसार उनकी शिकायतों पर सुनवाई करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि जो लोग राहत पाने के हकदार हैं, उन्हें राहत मिले। मुख्य न्यायाधीश ने बिल्कुल कानूनसम्मत बात कही है। लेकिन अभूतपूर्व वक्त में फैसले भी अभूतपूर्व तरीके से ही लिए जाते हैं। जैसे पहले अदालत तक पहुंचना भी सबके बस में नहीं होता था। फिर 80 के दशक में न्यायमूर्ति पी. एन. भगवती और न्यायमूर्ति वी. आर. कृष्ण अय्यर ने पोस्टकार्ड पर लिखी शिकायत या याचिका को भी सुनवाई के योग्य माना, क्योंकि न्याय पाना हरेक का अधिकार है। इसके बाद अदालत ने तय किया कि गरीब, कैदी, बंधुआ मजदूर या शोषित व्यक्ति औपचारिक वकील या कोर्ट की जटिल प्रक्रिया का पालन करने में असमर्थ है, तो उसके द्वारा भेजा गया पोस्टकार्ड या पत्र भी रिट याचिका के रूप में दर्ज किया जा सकता है। ऐसी ही नयी पहल मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत भी शुरु कर सकते थे कि वे देश की आधी से अधिक आबादी का प्रतिनिधित्व कर रहे विपक्षी दलों के नेताओं से मुलाकात कर उनसे शिकायती पत्र स्वीकार कर सकते थे। बाद में अदालत में मामला तो प्रक्रिया के मुताबिक ही चलता। बहरहाल, सीजेआई सूर्यकांत न्यायिक और लोकतांत्रिक इतिहास में स्वर्ण अक्षरों से अपना नाम दर्ज करवाने का मौका गंवा बैठे हैं। बीते शुक्रवार को ही राष्ट्रपति मुर्मू ने भी विपक्षी दलों के नेताओं से मुलाकात की। क्योंकि जिन ज्ञानेश कुमार से विपक्ष मिलना चाह रहा है, वो मिलने का वक्त तो दे ही नहीं रहे, बल्कि इस समय पूरी तरह गुमशुदा चल रहे हैं। विपक्ष उनसे मिलता तो उन्हें अपना पत्र सौंप कर पूछता कि आपके मातहत दोनों चुनाव आयुक्तों ने जो आपत्तियां बार–बार उठाईं, उन पर आपका क्या रुख है। चुनाव आयोग में एसआईआर को लेकर किस तरह फैसले लिए गए, कब–कब इस बारे में बैठक हुई, बैठकों का एजेंडा और मिनट्स सब की जानकारी मुहैया करा दीजिए। अगर ज्ञानेश कुमार विपक्ष की मांगों पर ऐसा करते तो आज लाखों लोगों को प्रदर्शन के लिए न उतरना पड़ता, न लाखों का पुलिस बल दिल्ली की सड़कों पर तैनात होता। 2024 के चुनाव के बाद जब राहुल गांधी ने महादेवपुरा और अलंद सीटों में वोटर लिस्ट की गड़बड़ी के सबूत प्रेस कांफ्रेंसस में दिखाए थे तो इन्हीं ज्ञानेश कुमार ने राहुल गांधी के सामने दो विकल्प रखे थे या तो वे हलफनामा दें या फिर माफी मांगे, तीसरा विकल्प राहुल गांधी को ज्ञानेश कुमार ने नहीं दिया था।

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए न्याय और सुरक्षा को सुदृढ़ करना एक संवैधानिक गारंटी

रामदास अठावले

एक न्यायपूर्ण और समावेशी समाज की नींव इस विश्वास पर टिकी होती है कि प्रत्येक नागरिक गरिमा, समानता और सुरक्षा के साथ जीवन व्यतीत कर सके। अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए इस संवैधानिक प्रतिबद्धता को साकार करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने अत्याचारों की रोकथाम, पीड़ितों की सुरक्षा और समय पर न्याय सुनिश्चित करने के लिए कानूनी तथा संस्थागत व्यवस्थाओं को मजबूत करने पर जोर दिया है। इसके तहत कानूनों में संशोधान, राहत एवं पुनर्वास की बेहतर व्यवस्था, विशेष न्यायालयों की स्थापना, शिकायत निवारण तंत्र और राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों को वित्तीय सहायता उपलब्धा कराने जैसे कदम उठाए गए हैं। इस व्यवस्था का प्रमुख आधार नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955 और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 हैं। इन कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए समय–समय पर संशोधन किए गए हैं, ताकि जाति आधारित अत्याचारों पर अंकुश लगाया जा सके और पीड़ितों को न्याय, राहत तथा पुनर्वास उपलब्ध कराया जा सके।

कानूनों में संशोधन से बढ़ा संरक्षण का दायरा

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 में 26 जनवरी 2016 से प्रभावी संशोधानों के माध्यम से कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए। इनका उद्देश्य अत्याचार से जुड़े मामलों की सुनवाई में तेजी लाना और पीड़ित समुदायों को उपलब्ध कानूनी संरक्षण का विस्तार करना था।

संशोधनों के तहत मामलों की सुनवाई के लिए अनन्य विशेष न्यायालयों की स्थापना तथा विशेष लोक अभियोजकों की नियुक्ति का प्रावधान किया गया। साथ ही, अत्याचार के कई नए प्रकारों को कानून के दायरे में शामिल किया गया। पीड़ितों, उनके आश्रितों और गवाहों के अधिकारों से संबंधित प्रावधानों को भी अधिक प्रभावी बनाया गया।

इन बदलावों के माध्यम से यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया कि न्याय की प्रक्रिया केवल प्राथमिकी दर्ज करने और मुकदमे की सुनवाई तक सीमित न रहे, बल्कि पीड़ितों की सुरक्षा,

गरिमा और पुनर्वास को भी समान महत्व मिले।

इसके बाद 14 अप्रैल 2016 को अधिनियम से संबंधित नियमों में संशोधन किया गया। इसके तहत अत्याचार के 47 प्रकार के अपराधों के लिए निर्धारित राहत राशि बढ़ाई गई। साथ ही, पीड़ितों और उनके आश्रितों को समय पर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया।

प्राथमिकी दर्ज करने और गिरफ्तारी की प्रक्रिया में बदलाव

कानून के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में 20 अगस्त 2018 को एक और महत्वपूर्ण संशोधन किया गया। इसके तहत अधिनियम के अंतर्गत अपराधों में प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज करने से पहले प्रारंभिक जांच की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई। इसके अतिरिक्त, कानून के तहत आरोपी की गिरफ्तारी से पहले अनुमति लेने की आवश्यकता भी हटा दी गई।

इन बदलावों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि प्रक्रियागत औपचारिकताएं अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के विरुद्ध अत्याचार के मामलों में प्राथमिकी दर्ज करने, जांच करने और अभियोजन चलाने में बाधा न बनें।

इससे पहले 27 जून 2018 को अधिनियम से संबंधित नियमों में भी संशोधन किया गया था। इसके तहत मृत्यु, चोट, बलात्कार, सामूहिक बलात्कार, तेजाब हमले, संपत्ति को नुकसान और कानून के दायरे में आने वाले अन्य अपराधों के मामलों में राहत संबंधी प्रावधानों को मजबूत किया गया।

15 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 217 विशेष न्यायालय

अत्याचार से जुड़े मामलों की त्वरित सुनवाई और प्रभावी निस्तारण के लिए विशेष न्यायिक व्यवस्था विकसित की गई है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, अधिनियम के तहत अपराधों की सुनवाई के लिए 15 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 217 अनन्य विशेष न्यायालय स्थापित किए जा चुके हैं।

अधिनियम में यह भी प्रावधान है कि जिन जिलों में ऐसे मामलों की संख्या अपेक्षाकृत कम है, वहां संबंधित उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की सहमति से सत्र न्यायालयों को विशेष न्यायालय के रूप में नामित किया जा सकता है।

विशेष न्यायालयों की स्थापना का उद्देश्य मामलों की सुनवाई में तेजी लाना, न्यायिक प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाना और पीड़ितों को विशेष न्यायिक तंत्र तक पहुंच उपलब्ध कराना है।

श्संबल्य हेल्पलाइन से शिकायत निवारण को बढ़ावा

कानूनी संरक्षण को प्रभावी बनाने के लिए नागरिकों में अधिकारों के प्रति जागरूकता और सहायता तक आसान पहुंच भी जरूरी है। इसी उद्देश्य से 13 दिसंबर 2021 को अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के विरुद्ध अत्याचारों से संबंधित राष्ट्रीय हेल्पलाइन शुरू की गई, जिसे बाद में श्संबल्य नाम दिया गया।

इस हेल्पलाइन के लिए टोल–फ्री नंबर 1800–202–1989 और संक्षिप्त नंबर 14566 निर्धारित किए गए हैं। इनके माध्यम से लोगों को अत्याचार निवारण अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी, मार्गदर्शन और शिकायत निवारण व्यवस्था तक पहुंच उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है।

हेल्पलाइन का उद्देश्य प्रभावित व्यक्तियों को उनके कानूनी अधिकारों और उपलब्ध उपायों की जानकारी देना तथा सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया को सरल बनाना है। इससे कानूनी संरक्षण और न्याय व्यवस्था के प्रति जागरूकता बढ़ाने में मदद मिलती है।

राज्यों को दिए गए दिशा–निर्देश, राहत वितरण में स्पष्टता

किसी भी कानून की सफलता उसके प्रभावी क्रियान्वयन पर निर्भर करती है। इसी को ध्यान में रखते हुए सरकार ने संबंधित पक्षों, मंत्रालयों और विभागों से परामर्श के बाद नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955 तथा अत्याचार निवारण अधिनियम, 1989 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए योजना संबंधी दिशा–निर्देश जारी किए हैं।

इन दिशा–निर्देशों के माध्यम से राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अत्याचारों की रोकथाम, पीड़ितों की सुरक्षा, राहत, पुनर्वास और जनजागरूकता से जुड़े उपायों को मजबूत करने के लिए रूपरेखा उपलब्ध कराई गई है।

कार्यान्वयन के दौरान सामने आने वाली व्यावहारिक समस्याओं को दूर करने के लिए भी कदम उठाए गए हैं। इसी क्रम में 20 जून 2025 को जारी स्पष्टीकरण में स्पष्ट किया गया कि अत्याचार निवारण नियमों के तहत निधारित राहत राशि उस राज्य या केंद्र शासित प्रदेश द्वारा दी जाएगी, जहां संबंधित अधिनियम के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

यह व्यवस्था उन मामलों में महत्वपूर्ण है, जिनमें पीड़ित या उनके आश्रित बाद में किसी दूसरे राज्य अथवा केंद्र शासित प्रदेश में चले जाते हैं। इसका उद्देश्य राहत राशि के भुगतान को लेकर स्पष्टता बनाए रखना, समय पर सहायता उपलब्ध कराना और विभिन्न क्षेत्रों में क्रियान्वयन की एकरूपता सुनिश्चित करना है।

5,012 करोड़ रुपये से अधिक की केंद्रीय सहायता जारी

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के विरुद्ध अत्याचारों की रोकथाम, पीड़ितों को राहत एवं पुनर्वास उपलब्ध कराने और सामाजिक समावेशन को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है। इसके लिए नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955 और अत्याचार निवारण अधिनियम, 1989 के क्रियान्वयन से संबंधित केंद्र प्रायोजित योजना संचालित की जा रही है।

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2014–15 से अब तक इस योजना के तहत 5,012.17 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता जारी की जा चुकी है। इस अवधि में अत्याचार के लगभग 7,26,588 पीड़ितों को राहत प्रदान की गई है। वहीं, अंतरजातीय विवाह करने वाले 2,21,716 जोड़ों को प्रोत्साहन राशि दी गई है।

ये आंकड़े राहत और पुनर्वास के लिए किए गए वित्तीय प्रयासों के साथ–साथ सामाजिक समानता और समावेशन को बढ़ावा देने की दिशा में उठाए गए कदमों को भी दर्शाते हैं। योजना के माध्यम से राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को कानूनों के क्रियान्वयन तथा पीड़ितों को सहायता उपलब्धा कराने के लिए सहयोग दिया जा रहा है।

न्याय, गरिमा और समानता पर विशेष जोर

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के अधिकारों की सुरक्षा के लिए कानूनों में संशोधन, विशेष न्यायालयों की स्थापना, राहत राशि में वृद्धि, राष्ट्रीय हेल्पलाइन, क्रियान्वयन संबंधी दिशा–निर्देश और केंद्रीय वित्तीय सहायता जैसे उपायों को व्यापक व्यवस्था का हिस्सा बनाया गया है।

इन प्रयासों का उद्देश्य केवल अत्याचार की घटनाओं के बाद कार्रवाई करना नहीं, बल्कि उनकी रोकथाम, जनजागरूकता, संस्थागत जवाबदेही, समय पर राहत और पीड़ितों के पुनर्वास को भी सुनिश्चित करना है। इसके लिए केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच समन्वय तथा कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन महत्वपूर्ण माना गया है।

संविधान प्रत्येक नागरिक को समानता, गरिमा और न्याय का अधिकार देता है। इन मूल्यों को वास्तविक जीवन में सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है कि कानूनी प्रावधानों का लाभ जरूरतमंदों तक समय पर पहुंचे और पीड़ितों को सुरक्षा तथा सहायता प्राप्त करने में अनावश्यक कठिनाइयों का सामना न करना पड़े।

सरकार की ओर से इन व्यवस्थाओं को मजबूत करने, क्रियान्वयन से जुड़ी चुनौतियों को दूर करने और कानूनी सुरक्षा को जमीनी स्तर पर प्रभावी बनाने पर जोर दिया जा रहा है। अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए न्याय की व्यवस्था तभी सार्थक होगी, जब संवैधानिक अधिकारों के साथ–साथ उन्हें सुरक्षा, समान अवसर और सम्मानपूर्ण जीवन का वास्तविक अनुभव भी मिल सके।

(लेखक सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री हैं)

जंतर मंतर खाली कराने के निहितार्थ

राजेंद्र शर्मा

मोदी–शाह की जोड़ी चाहे तो इसके लिए अपने गाल बजा सकती है कि 10 अक्टूबर को और उसके बाद भी उसने जंतर–मंतर को प्रदर्शनकारियों से खाली रखा है। पिछले कई वर्षों से राजधानी में जनतांत्रिक विरोध प्रदर्शनों का केंद्र रहे जंतर–मंतर की, जो कि देश की सत्ता के मुख्य केंद्र, संसद तथा शासन के अधिष्ठान, प्रधानमंत्री कार्यालय समेत मंत्रालयों तथा केंद्रीय सचिवालय के बहुत ही नजदीक है, इस बार उसने ऐसे पक्के किलेबंदी की थी कि परिंदा भी पर नहीं मार सका। वैसे दिल्ली पुलिस की सारी ताकत के ऊपर से, देश के विभिन्न हिस्सों से जुटाए गए 40 हजार से ज्यादा अर्द्ध–सैनिक बलों तथा तरह–तरह की वाहनियों के जवानों की आक्रामक तैनाती के जरिए, राजधानी को पुलिस राज्य में तब्दील करने और वहां एक नये तरीके का पूरा लॉकडाउन थोपने के बावजूद, जंतर–मंतर पर परिंदे के भी पर नहीं मार पाने की यह शेखी भी शायद पूरी तरह से सही नहीं है। बेशक, सांकेतिक तरीके से सही, 10 अक्टूबर को जंतर–मंतर की मोदीशाही की अभेद्य किलेबंदी को और किसी ने नहीं, सीपीएम के अस्सी वर्षीय वरिष्ठङ्क नेता और केरल के पूर्व–मुख्यमंत्री, पिनराई विजयन ने अपने दो साथियों के साथ भेदकर दिखाया था और जंतर–मंतर के बीच खड़े होकर गिरफ्तारी से पहले नारा लगाया थाकृमोदी–शाह तुम देख लो, हम जंतर–मंतर पहुंच गए! फिर भी यह तो सच है कि मोदीशाही जंतर–मंतर को प्रदर्शनकारियों के लिए वर्जित क्षेत्र बनाने में कामयाब रही है। बेशक, दिल्ली को बाकायदा युद्घ के मैदान में तब्दील करने, करीब दस हजार लोगों को जिनमें युवाओं की संख्या सबसे बड़ी थी, निर्ममता से मार–पीट कर गिरफ्तार करने के जरिए, राजधानी को लगातार घेरेबंदी में रखने के जरिए और मौजूदा निजाम के फासीवादी चेहरे को नये–नये कोणों से उजागर करने के बाद ही, मोदीशाही को यह श्जीतश हासिल हुई है। और हाथ के हाथ, अपनी इस कामयाबी को पक्का करने की कोशिश में उसने राजधानी में सार्वजनिक प्रदर्शन स्थल के रूप में जंतर–मंतर के तय किए जाने को खत्म ही करने का और इसके बदले में तीन सार्वजनिक प्रदर्शन स्थल तय करने का ऐलान किया हैकृरामलीला मैदान, बुराड़ी ग्राउंड और पूर्वी दिल्ली में सीबीडी ग्राउंड। लेकिन, इन नये प्रदर्शन स्थलों के अधिसूचित किए जाने से, जंतर–मंतर के पुलिस के बल पर शासन द्वारा कब्जाए जाने की जघन्यता कम नहीं हो जाती है। जंतर–मंतर का खाली कराया जाना, सिर्फ एक जगह का खाली कराया जाना नहीं है। यह जनतंत्र में प्रदर्शनों का बेदखल किया जाना है। यह लाठी के जोर से जनता की आवाज का बेदखल किया जाना है। यह जनतंत्र से जनता का ही बेदखल किया जाना है। यह समझना मुश्किल नहीं है कि जंतर–मंतर को जनता से छीनने के बाद, उसे जो प्रदर्शन स्थल दिए जा रहे हैं, उनका चुनाव सिर्फ यह सुनिश्चित करने की कोशिश नहीं दिखाता है कि जनता के प्रदर्शनों के शोर की आवाज से, लुटियन की दिल्ली में जमे शासकों की नींद में खलल नहीं पड़े। इन प्रदर्शन स्थलों का चुनाव इसकी कोशिश भी दिखाता है कि प्रदर्शनकारी आम देशवासियों से भी कटकर प्रदर्शन करते रहें। उनकी आवाज शासकों ही नहीं, आम देशवासियों तक भी नहीं पहुंचे। तानाशाहों को सबसे ज्यादा डर तो इसी से लगता है कि विरोधा की कोई आवाज कहीं जनता तक नहीं पहुंच जाए और जनता इस विरोध की आवाज को अपनी आवाज न बना ले। रामलीला मैदान को छोड़कर, दोनों सुझाए गए नये प्रदर्शन स्थल एक प्रकार से प्रदर्शनों और विरोध को देश निकाला देने जैसे ही हैं। बहरहाल, इसका नतीजा चाहे जो हो और यह मौजूदा सत्ता के तानाशाहाना चेहरे को चाहे कितना ही बेनकाब क्यों न कर रहा हो, यह एक सबक है जो मोदीशाही ने 20

जुलाई के जंतर–मंतर के संसद मार्च और उसके बाद के घटनाक्रम से सीखा है, जिसमें शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा लिया जाना भी शामिल था। मोदीशाही के दुर्भाग्य से, वर्तमान जंतर–मंतर–2 के केंद्र में भी, एक बुनियादी व्यवस्थागत विकृति के उपचार की शुरूआत के रूप में, वर्तमान सत्ता द्वारा संरक्षित एक उच्चाधिकारी के इस्तीफे की मांग की हैकृ मुख्य चुनाव आयुक्त, ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग। इस जंतर मंतर–2 को जंतर–मंतर से बेदखल करने के लिए, मोदीशाही का अपनी सारी दमनकारी ताकत झोंक देना, उसके पिछले आंदोलन के सबक को ही दिखाता है। और यह सबक है, अपने बढ़ते विरोध का सामना करने के लिए, तानाशाही की बहुत तगड़ी खुराक आजमाने की जरूरत का। तानाशाही की बहुत तगड़ी खुराक माने फासीवादी तानाशाही के रास्ते पर तेजी से बढ़ना। इसके लिए दो खासतौर पर हिंसक सबक मोदीशाही ने जंतर मंतर–1 से सीखे हैं। पहला, शासन की दमनकारी ताकत के प्रयोग में हिंसा के पैमाने और प्रकृति, दोनों के परिमाण में बहुत बढ़ोतरी का है। जंतर मंतर–2 के खिलाफ, पूरे शहर की जबर्दस्त किलेबंदी और जन–जीवन को ठप्प करने का ही रास्ता नहीं अपनाया गया है, जिसमें राजधानी की ओर आने वाली सैकड़ों रेलगाड़ियां तथा राजधानी में अधिकांश मैट्रो स्टेशन बंद करने से लेकर, संभावित प्रदर्शनकारियों की रास्ते में से ही तथा घरों से ही गिरफ्तारियां तक शामिल थीं। इसके अलावा, जंतर मंतर–1 से भिन्न इस बार, दमनकारी ताकत का इस्तेमाल अंधाधुंध तरीके से करने की जगह, उसे सोचे–समझे तरीके से टार्गेटेड बनाया गया है। दमनकारी हिंसा की इस टार्गेटिंग के हिस्से के तौर पर, एक आम तौर पर प्रदर्शनकारियोंऔर खासतौर पर उनके नेताओं को चुन–चुनकर हिंसक हमलों का निशाना बनाया गया है। एक ओर अगर वामपंथी छात्र व युवा संगठनों के शीर्ष नेताओं को चुन–चुनकर, उन्हें शारीरिक चोट पहुंचायी गयी है, तो दूसरी ओर आम छात्राओं तथा छात्रों को यौन प्रतारणा तथा निजी अंगों पर प्रहार से लेकर, कपड़े फाड़ने तथा निर्वस्त्र तक करने के जरिए अपमानित करने का भी सहारा लिया गया है। और शारीरिक हमलों का सिलसिला हिरासत में न सिर्फ जारी रहा है बल्कि मोबाइल जेल जैसी अमित शाह की पुलिस की नयी खोजों का, विशेष रूप से इसी के लिए हिरासत में लिए गए युवाओं को, और भी असुविधाजनक तथा असहाय स्थिति में रखने के लिए किया गया है। इसका मकसद, उनका मनोबल बुरी तरह से तोड़ना ही था। दूसरी ओर, सीपीआई (एम) महासचिव, एमए बेबी और जॉन ब्रिटास समेत अनेक वामपंथी व अन्य सांसदों को सोचे–समझे तरीके से निशाना बनाया गया, ताकि आम तौर पर युवाओं में दहशत पैदा की जा सके। जंतर मंतर–2 के खिलाफ ऐसी ही टार्गेटिंग मीडिया और खासतौर पर डिजिटल मीडिया की भी की गयी। यह भी जंतर मंतर–1 से मोदीशाही द्वारा लिए गए सबक का ही मामला था। वह सबक यह था कि इंटरनेट को बंद कर के, शासन के दमन चक्र की खबरों के फैलने की रफ्तार को धीमा तो किया जा सकता है, लेकिन उनके फैलने को रोका नहीं जा सकता है। इसलिए, इस बार शुरू से ही डिजिटल मीडिया को एक प्रकार से पूरी तरह से कवरेज के क्षेत्र से ही बाहर रखने की कोशिश की गयी। मीडिया पास की कड़ी शर्तें लगायी गयीं और मीडियाकर्मियों को प्रदर्शन स्थलों से दूर से दूर रखने की ही कोशिश की गयी। इसके बाद भी, प्रदर्शन स्थलों के करीब पहुंच गए मीडियाकर्मियों को पहचान पत्रों से भली–भांति पहचाने जाने के बावजूद, न सिर्फ उठा–उठाकर पुलिस हिरासत की गाड़ियों में लादा गया, बल्कि उनके साथ मारपीट भी की गयी और अनेक मामलों में फोन छीनने से लेकर, तस्वीरें डिलीट कराने के लिए जोर–जबर्दस्ती भी की गयी। यहां तक कि एक जानी–मानी पत्रकार के हिरासत में लिए जाने का विरोध कर रहे, पांच–छः अन्य पत्रकारों को भी उठा कर हिरासत में डाल दिया गया। जाहिर है कि यह खबरों को और खासतौर पुलिसिया हिंसा की तस्वीरों को बाहर ही नहीं आने देने की कोशिश थी। लेकिन, जैसे यह सब भी काफी नहीं हो, प्रदर्शनकारी युवाओं के खिलाफ हिंसक हमले करने के लिए संघ–भाजपा के हथियार बंद गुंडा गिरोहों को, पुलिस के स्वतरू स्पष्टङ्क संरक्षण में, बर्बरता के पूरक के तौर पर उतार दिया गया। याद रहे कि जंतर मंतर–1 के संसद मार्च के दौरान भी, अनेक गैरवर्दीधारी गुंडानुमा लोगों के पुलिस की हिंसा में हाथ बंटा रहे होने की तस्वीरें सामने आयी थीं। इस बार यह मामला उससे भी एक कदम आगे निकल गया और 10 अक्टूबर को मीडिया कैमरों में केंद्रीय अर्द्ध–सैनिक बलों की नयी पोशाकों से भरी गाड़ियां दर्ज हुईं, जो संभवतरू गैर–कानूनी फर्जी बलों को मैदान में उतारने के लिए लायी गयी थीं।

बदहाली का शिकार 112 साल पुराना ऐतिहासिक कालका मंदिर, ट्रस्ट की लापरवाही से जनमानस में भारी रोष

कालका मंदिर की दुर्दशा को लेकर समाजसेविका सरिता यादव बताती हैं कि मंदिर की दुर्दशा देखकर दुख और रोष होता है इसके आस पास व अंदर स्थानीय लोगों ने कब्जाकर इसे कबाड़घर में तब्दील कर दिया है ट्रस्ट भी इस मंदिर की ओर कोई ध्यान नहीं दे रही है ट्रस्टी सिर्फ अपनी जेबें भरने में मशगूल हैं जिला प्रशासन को इसकी दुर्दशा पर दखलंदाजी करनी चाहिए

महिला श्रद्धालु संगीता सिंह भदौरिया कहती हैं यह मंदिर सैकड़ों महिला श्रद्धाओं की आस्था का एक मात्र केंद्र है इसकी दुर्दशा के लिए इसकी देखरेख करने वालों की अहम जिम्मेदारी बनती है वहीं आने जाने वाले रास्तों पर गंदगी तथा अतिक्रमण से सभी महिला भक्तों को भारी दुश्वारियों का सामना करना पड़ता है।

मंदिर का प्रवेश द्वार

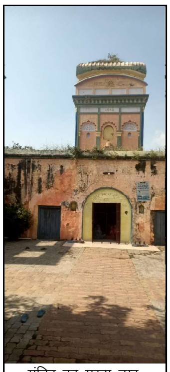

मंदिर का मुख्य द्वार

इटावा/महेवा। नवरात्रि के चलते देश भर में देवी मंदिरों की साफ सफाई कर सुसज्जित किया गया है ताकि भक्तों की श्रद्धा में बढ़ोत्तरी होने के साथ उनको सुख शांति की प्राप्ति हो तथा जगत जननी का आशीर्वाद उनपर सदैव बना रहे।

वहीं महेवा स्थित कालका मंदिर दुर्दशा का शिकार होकर अपनी कहानी खुद–ब–खुद चीख चीख कर बयां कर रहा है बताया जाता है कस्बे के अधिष्ठाता नगरीलोलपुर निवासी ऑनरेरी मजिस्ट्रेट राय बहादुर चौबे गुरुनारायण ने निःसंतान होने के चलते सन 1902 में मंदिर महेवा नाम से एक कस्बा आबाद करने के साथ साथ श्री ठाकुरजी प्रभु श्री राम मंदिर का निर्माण कराने के साथ अपनी रैय्यत के लिए आदिशक्ति पराम्बा की पूजा वास्ते लखना की तर्ज पर सन 1914 में एक अदद कालका मंदिर का निर्माण ज्योतिषियों की सलाह पर कराया था तथा उन्होंने अपनी रियासत की देखभाल करने के लिए एक ट्रस्ट का गठन किया था।

1934 में उनके जीवन की समाप्ति से लेकर आज तक वही ट्रस्ट इस मंदिर सहित उनकी रियासत की देखभाल करता आ रहा है करीब एक दशक से ट्रस्ट ने इस मंदिर की देखभाल करना पूरी तरह छोड़ दिया है और इसकी पूजा अर्चना की जिम्मेदारी स्थानीय नागरिक सम्हाले हुए हैं तब से लेकर आज तक इसकी न कोई साफ सफाई की है इसकी गुम्मद पर न ही झंडा चढ़ाया गया और न ही इसकी कोई रंगाई पुताई हुई

दीवालों छतों तथा गुम्मद पर घास फूस की झाड़ी उग आयी हैं आने जाने रास्ते पर भी गंभीर अतिक्रमण हो गए है जिससे श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है इसके आस पास के लोगों ने मंदिर के अंदर कमरों बरामदों और बाहरी परिसर में कब्जा कर कबाड़ घर में तब्दील कर दिया है इससे तमाम श्रद्धालुओं सहित क्षेत्रीय जनता में भरी रोष व्याप्त है तथा मंदिर की दुर्दशा पर लोगों ने इस संबंध में जिलाधिकारी से हस्तक्षेप कर जांच की मांग की है वहीं जब इस संबंध में मंदिर व्यवस्थापक विजय कुमार तिवारी तथा ट्रस्ट अध्यक्ष नरेश कुमार शुक्ला से बात की तो दोनों ने इसका ठीकरा एक दूसरे पर फोड़ते हुए अपना अपना पल्ला झाड़ लिया।

एमएलसी चुनाव के लिए भाजपा ने झोंकी ताकत, स्कूलों में जाकर मांगे वोट

इटावाध्महेवा। आगामी विधान परिषद के लिए स्नातक एवं शिक्षक खंड से होने वाले चुनाव के लिए भाजपा ने अपने चुनाव प्रचार को जहां तेज कर दिया वहीँ प्रत्याशियों एवं उनके समर्थकों ने स्कूलों में जाकर शिक्षकों से तथा स्नातक वोटरों से संपर्क करना युद्धस्तर पर शुरू कर दिया है ।इसी क्रम में मंगलवार को भाजपा जिला उपाध्यक्षधशिक्षक अनूप जाटव ने लोकमान्य रूरल इंटर कालेज महेवा ,हरिश्चंद्र डिग्री कालेज आनेपुर ,बिहारी जी इंटर कालेज अहेरीपुर आदि में शिक्षक विधायक प्रत्याशी आगरा खंड हरिकिशोर तिवारी तथा स्नातक क्षेत्र के प्रत्याशी डॉ मानवेंद्र सिंह के लिए वोटों की अपील की जिला उपाध्यक्ष श्री जाटव ने शिक्षक साथियों से शत प्रतिशत रूप में मतदान करने एवं जिले के प्रत्याशी इंजीनियर हरिकिशोर तिवारी तथा स्नातक क्षेत्र के प्रत्याशी डॉ मानवेंद्र सिंह को जिताने की अपील की वही जिला उपाध्यक्ष द्वारा प्रबंध समिति के उपसचिव राजू दुबे एवं प्रधानाचार्य डॉ एस एस त्रिपाठी को सम्मानित भी किया । इस दौरान प्रबंध समिति के उपसचिव राजू दुबे , प्रधानाचार्य डॉ शिव शंकर त्रिपाठी ,उपप्रधानाचार्य मंजुलता ,मुख्य प्रशासनिक अधिकारी प्रताप नारायण तिवारी , डॉ लवकुश बाबू जाटवानी , डॉ सर्वेश दुबे , अशोक राजपूत ,मनीष गुप्ता ,देवेंद्र , डॉ हेमचन्द्र ,राजकुमार ,कुमकुम पांडेय , किरन शर्मा ,शिवशंकर यादव ,सचिन कुमार ,शत्रुघ्न तोमर ,मनोज कुमार ,आलोक पोरवाल सहित समस्त कालेज स्टाफ मौजूद रहा।

लखीमपुर खीरी में सात वर्षीय लड़की को उठा ले गया तेंदुआ क्षत–विक्षत शव बरामद

एजेंसी

लखीमपुर खीरी। जिले में सोमवार शाम घर के बाहर खेल रही सात वर्षीय बच्ची पर तेंदुए ने हमला कर दिया और उसे जबड़ों में दबाकर गन्ने के खेतों में ले गया। पुलिस ने बताया कि मंगलवार सुबह खेत से बच्ची का क्षत–विक्षत शव बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार, घटना पधुआ थाना क्षेत्र के बोझिया गांव की है। बच्ची की पहचान सान्या (7) के रूप में हुई है। उसके पिता संपति गिरी ने बताया कि सोमवार शाम करीब सात बजे सान्या घर के बाहर खेल रही थी, तभी तेंदुआ उसे उठाकर पास के गन्ने के खेतों की ओर ले गया।

बच्ची के पिता और अन्य ग्रामीणों ने तेंदुए का पीछा कर उसकी तलाश की, लेकिन बच्ची का पता नहीं चल सका। सूचना मिलने पर पधुआ थाना प्रभारी मोहित पुंडीर पुलिस बल के साथ गांव पहुंचे और तलाशी अभियान चलाया। हालांकि, अंधेरा और दुर्गम इलाके के कारण अभियान रोकना पड़ा और मंगलवार सुबह फिर शुरू किया गया। पुंडीर ने बताया कि मंगलवार सुबह गन्ने के खेत से बच्ची का क्षत–विक्षत शव बरामद हुआ। मौत का सही कारण जानने के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है।

धौरहरा के वन क्षेत्राधिकारी अशोक कुमार श्रीवास्तव ने तेंदुए के हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि इलाके में गश्त और तलाश अभियान तेज किया जाएगा। उन्होंने ग्रामीणों से क्षेत्र में तेंदुए की आवाजाही को देखते हुए सतर्क रहने की अपील की।

एडीओ पंचायत इंद्रपाल सिंह के नेतृत्व में महेवा की ग्राम पंचायतों में चला स्वच्छता अभियान

लुधियानी में सफाई कार्य करते सफाई कर्मी

फागिंग करवाते प्रशासक दयाशंकर

महेवा । संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत विकास खंड क्षेत्र महेवा की कई ग्राम पंचायतों में सहायक विकास अधिकारी पंचायत महेवा इंद्रपाल सिंह भदौरिया के नेतृत्व कई गावो में फागिंग कार्य ,साफ सफाई तथा दवा छिड़काव का कार्य युद्ध स्तर पर किया गया जिसमें ग्राम प्रशासक एवं सचिव मौजूद रहे ।

प्राप्त विवरण के अनुसार विकास खंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत लुधियानी ,सराय मिट्ठे ,बराउखा,विधिपुरा आदि पंचायतों में सफाई अभियान चलाते हुए फागिंग कराई गई वहीं मंगलवार को लुधियानी ग्राम पंचायत में विशेष रूप से सफाई कर्मियों की आधा दर्जन टीमों को लगाकर नालियों की सफाई तथा फागिंग कार्य पूरे गांव में किया गया इस दौरान ग्राम प्रशासक दयाशंकर ,सचिव तरुण पाल ,संदीप सविता ,अवधेश गौतम आदि मौजूद रहे ।

पंचायत सचिवालय में रात्रि अज्ञात चोरों ने कमरो के ताला तोड़कर की चोरी

महेवा(इटावा) थाना इकदिल क्षेत्र के अंतर्गत विकास क्षेत्र महेवा की ग्राम पंचायत मनियामऊ के पंचायत सचिवालय में गत रात्रि अज्ञात चोरों ने कमरो के ताला तोड़कर पंखे ,इनवर्टर ,बैटरा आदि चोरी कर लिए ।चोरी की घटना की लिखित शिकायत ग्राम प्रशासक एवं ग्राम सचिव द्वारा थाना बकेवर पर दी गई ।

ग्राम सचिव गौरव यादव ने बताया कि सोमवार 12 अक्टूबर की रात अज्ञात चोरों ने कमरो के ताला तोड़कर लगभग आठ पंखे ,दो बड़े बैटरा,इनवर्टर ,ई रिक्शा के दो बैटरी ,पांच बल्ब , रॉड आदि चोरी कर लिए ग्राम प्रशासक जयमंती देवी तथा सचिव गौरव यादव ने थाना पुलिस से कार्यवाही करने की मांग की है।

महेवा में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित, महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर और पॉक्सो एक्ट की दी जानकारी

महेवा (इटावा)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण इटावा के तत्वावधान में मंगलवार को विकासखंड सभागार महेवा में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। माननीय जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष रजत सिंह जैन तथा प्राधिकरण की सचिव आरती द्विवेदी के दिशा–निर्देशन में आयोजित शिविर में दूर–दराज से आई बालिकाओं एवं महिलाओं को स्वास्थ्य और कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया।

शिविर में चिकित्सक डॉ. मिथिलेश ने महिलाओं एवं बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर के लक्षण, बचाव, समय पर जांच और उपचार के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने तथा बीमारी के शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज न करने के लिए प्रेरित किया। वहीं, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण इटावा की सचिव श्रीमती आरती द्विवेदी ने पॉक्सो अधिनियम के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बालिकाओं के संरक्षण, उनके कानूनी अधिकारों तथा यौन अपराधों से बचाव के संबंध में जागरूक किया। उन्होंने जरूरतमंदों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने के संबंध में भी जानकारी दी।

इस अवसर पर नालसा की टोल फ्री हेल्पलाइन 15100 के बारे में बताया गया। साथ ही ग्रामीण न्यायालय सैफई एवं चकरनगर की कार्यप्रणाली और उपयोगिता की जानकारी दी गई। आगामी 12 दिसंबर 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के संबंध में भी लोगों को जागरूक किया गया तथा लोक अदालत के माध्यम से सुलह–समझौते के आधार पर मामलों के निस्तारण की जानकारी प्रदान की गई।

शिविर में अधिकार मित्र मीनाक्षी चौहान, अधिकार मित्र राजेंद्र त्रिपाठी, अधिकार मित्र पुष्पेंद्र तिवारी ,अश्वनी चौहान सहित अन्य लोग मौजूद रहे।कार्यक्रम मे खण्ड विकास अधिकारी महेवा वृज बिहारी त्रिपाठी,लोक मान्य रूरल इंटर कालेज के प्रवक्ता शिव शंकर यादव , डॉ महेंद्र सिंह , जितेंद्र चौहान भी मौजूद रहे कार्यक्रम का संचालन समाजसेवी राजू दुबे ने किया वहीं कार्यक्रम में आंगनवाड़ी अंजली तिवारी , शारदा कुशवाहा , सुनीता आदि मौजूद रही ।

जिले में 325 ग्राम प्रहरियों को मिली साइकिल और किट

प्रतापगढ़,संवाददाता। पुलिस लाइन परिसर में मंगलवार दोपहर करीब ग्राम प्रहरियों को साइकिल और आवश्यक सामग्री से युक्त किट वितरित की गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद बरेली से इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके क्रम में प्रतापगढ़ में आयोजित कार्यक्रम में 325 ग्राम प्रहरियों को साइकिल और किट प्रदान की गई, ताकि उन्हें अपने कर्तव्यों के निर्वहन और गांवों में आवागमन में सुविधा मिल सके। कार्यक्रम में सदर विधायक राजेंद्र कुमार मौर्य मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने मुख्यमंत्री के लाइव संबोधन को सुना। विधायक ने कहा कि शारदीय नवरात्र के तृतीय दिवस पर ग्राम प्रहरियों को साइकिल और किट उपलब्ध कराने की यह पहल स्वागत योग्य है। इससे ग्राम प्रहरी अपने दायित्वों का निर्वहन अधिक सुगमता से कर सकेंगे और ग्रामीण क्षेत्रों की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ग्राम प्रहरियों के वेतन में वृद्धि करने के साथ उनकी चिकित्सा सुविधाओं को भी बेहतर बनाने की दिशा में काम कर रही है। विकसित और आत्मनिर्भर भारत की पहली कड़ी गांव हैं। ऐसे में गांवों की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले ग्राम प्रहरियों को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना सराहनीय कदम है। विशिष्ट अतिथि विश्वनाथगंज विधायक जीतलाल पटेल ने भी इस पहल की प्रशंसा करते हुए ग्राम प्रहरियों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में कानून–व्यवस्था बनाए रखने और पुलिस को आवश्यक सूचनाएं उपलब्ध कराने में ग्राम प्रहरी अहम भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव, पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर सहित पुलिस विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि शेष ग्राम प्रहरियों को भी क्रमबद्ध तरीके से आवश्यक सुविधाओं से आच्छादित करने की योजना है।

एसडीएम और सीओ ने शिवगढ़ ब्लॉक का निरीक्षण किया

प्रतापगढ़,संवाददाता। आगामी चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष कराने के लिए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में एसडीएम अनुराग सिंह और क्षेत्राधिकारी प्रशांत राज ने रानीगंज थाने के प्रभारी अवन कुमार दीक्षित के साथ शिवगढ़ ब्लॉक का दौरा किया।

अधिकारियों ने ब्लॉक परिसर में चुनाव व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया को सुचारु और शांतिपूर्ण ढंग से पूरा करने पर चर्चा की। प्रशासनिक व पुलिस व्यवस्था के बीच बेहतर तालमेल पर जोर दिया गया। इस दौरे का मकसद तैयारियों की समीक्षा और संभावित चुनौतियों को पहचानना था। शांति व्यवस्था बनाए रखने और निष्पक्ष चुनाव के लिए विभागों के बीच समन्वय जरूरी बताया गया। प्रशासन लगातार चुनावी तैयारियों पर नजर रख रहा है। अधिकारियों का प्रयास है कि चुनाव के दौरान कोई अव्यवस्था न हो। यह दौरा शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने का एक कदम है।

भारतीय अवाम पार्टी ने चुनाव आयोग के पक्ष में निकाला मार्च

वाराणसी,संवाददाता। कॉकरोच जनता पार्टी द्वारा देश में अराजकता का माहौल बनाने से नाराज भारतीय अवाम पार्टी (राष्ट्रीय) के ऑटो यूनियन के सदस्यों ने सीजेपी के खिलाफ काशी में मोर्चा खोल दिया है। उधर राहुल गांधी कॉकरोचो के साथ मिलकर चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर इस्तीफा देने का दबाव बना रहे है। इधर ऑटो यूनियन के नेताओं ने चुनाव आयोग के समर्थन का एलान करते हुए कटिंग मेमोरियल से गोलघर चौराहे तक चुनौती मार्च निकाला। भारतीय अवाम पार्टी (राष्ट्रीय) की अध्यक्ष नजमा परवीन ने कहा कि भारतीय अवाम पार्टी का प्रत्येक सुभाषवादी कार्यकर्ता देश बचाने के लिए गद्दारों से जंग लड़ेगा। कॉकरोच जनता पार्टी के नेता अभिजीत दीपके को खुली चुनौती देते हुए पूछा कि तुम्हारे पास इतना पैसा आ कहां से रहा है कि तुम पिज्जा बर्गर खिलाकर दारु की पार्टी कर रहे हो और फाइव स्टार होटलो में बैठक करके देश विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए विचार विमर्श कर रहे हो। कहा कि विदेश से कौन लोग तुमको फंडिंग कर रहे हैं? आतंकवादियों, नक्सलियों और गद्दारों से मिले हुए हो। आज तक किसी आतंकवादी के खिलाफ आवाज नहीं उठाई। देश की राष्ट्रभक्त जनता तुम्हारे खिलाफ है इसलिए जल्द ही देश छोड़कर भाग जाओ। भारतीय अवाम पार्टी ऑटो यूनियन के अध्यक्ष कमलाकान्त सिंह (गुड्डू) ने कहा कि कांग्रेस हर कीमत पर राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना चाहती है। इसके लिए वो सारे गलत काम करने को तैयार है।

कभी वो ईवीएम पर आरोप लगाते हैं, कभी चुनाव आयोग पर और कभी ज्ञानेश कुमार पर ये वही कांग्रेस है जो बैलेट पेपर को लुटवाती थी और फर्जी वोटिंग करवाती थी।

90 प्रतिशत ड्रॉपआउट बेटियां सिर्फ शोहदों की वजह से, अनाज बैंक के अयोजन में जताई चिंता

वाराणसी,संवाददाता। काशी में अनाज बैंक की स्थापना 13 अक्टूबर 2015 को हुई थी, अनाज बैंक वृद्ध, विधवा, तलाकशुदा एवं सड़क पर रहने वाले निराश्रित परिवारों को अनाज देता है। अनाज बैंक का मूल मंत्र है "कोई भी भूखा न सोए"। अनाज बैंक की निकासी खाताधारक परिवार की महिलाएं ही होती हैं। अनाज बैंक अब तक 2609 परिवारों तक अनाज पहुंचा चुका है। भूख की पीड़ा से मुक्ति दिलाने के लिए अनाज बैंक 12 वर्षों से अनवरत कार्य कर रहा है। अनाज बैंक के 12 वें स्थापना दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाये जा रहे मिशन शक्ति कार्यक्रम का आयोजन सुभाष भवन लमही में किया गया। मिशन शक्ति की लालपुर थाना क्षेत्र की प्रभारी आकांक्षा मिश्रा ने मिशन शक्ति की पुस्तिका बांटकर महिलाओं को जागरूक किया। आकांक्षा मिश्रा ने बताया कि किसी भी महिला या लड़की को कोई भी परेशान करता है या पीछा करता है तो तुरंत 1090 पर फोन करें, मिशन शक्ति की टीम तुरंत पहुंचेगी। जो लड़की अपना नाम नहीं बताना चाहती है उसका नाम गोपनीय रखा जाएगा। स्कूल जाने वाली लड़कियों को जागरूक रहना जरूरी है। मिशन शक्ति महिलाओं की सुरक्षा के लिए है। हम हमेशा बेटियों की सुरक्षा के लिए तत्पर है। शोहदों और मजनुओं की खैर नहीं। विशाल भारत संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजीव श्रीगुरुजी ने कहा कि मिशन शक्ति बेटियों के लिए एक विश्वास के रूप में उभरा है। मिशन शक्ति के बाद लड़कियों के स्कूल छोड़ने की घटना में कमी आयी है। गली मोहल्लों में आवारा घूमने वाले शोहदों की सूची बनाई जानी चाहिए और ऐसे स्थानों पर पुलिस की सुरक्षा होने से माहौल बदल गया है। मुस्लिम मुहल्लों में छेड़खानी की समस्या अधिक है लेकिन वहां की महिलाएं बोल नहीं पाती हैं।

सर्विस रोड पर मिला युवक का शव

आगरा,संवाददाता। यमुनापार क्षेत्र में शाहदरा कट सर्विस रोड पर मंगलवार रात एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। सूचना मिलने पर शाहदरा चौकी प्रभारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और सबूत जुटाने के लिए फील्ड यूनिट को बुलाया। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। पुलिस उसकी शिनाख्त के प्रयास में जुटी है। थानाध्यक्ष हरेंद्र कुमार ने बताया कि 13 अक्टूबर को रात करीब तीन बजे टेडी बगिया निवासी अरमान पुत्र गुड्डू ने शव पड़े होने की सूचना दी थी। मौके पर पहुंची पुलिस को एक व्यक्ति मृत मिला। शुरुआती जांच में व्यक्ति का हुलिया भिखारी जैसा दिख रहा था और वह काफी समय से साफ–सफाई नहीं कर पाया था। पुलिस ने मृतक की फोटो सोशल मीडिया पर फैलाई और स्थानीय लोगों को भी दिखाई, लेकिन पहचान नहीं हो सकी। अज्ञात शव को पोस्टमार्टम के लिए एसएन मेडिकल कॉलेज की मोर्चरी भेजा गया है।

पुलिस ने दो वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया

प्रतापगढ़,संवाददाता। उदयपुर थाना पुलिस ने मंगलवार को दो वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई न्यायालय से जारी गैर जमानती वारंट के बाद की गई। दोनों को प्रतापगढ़ के सांगीपुर इलाके से पकड़ा गया। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर के निर्देश पर उदयपुर थाने के उपनिरीक्षक नंदलाल यादव ने हेड कांस्टेबल विनोद कुमार और कांस्टेबल प्रदीप कुमार यादव के साथ मिलकर यह गिरफ्तारी की। गिरफ्तार किए गए लोगों में दिग्गज का पुरवा ननौती निवासी राजू पुत्र रामदेव और कल्याण का पुरवा मुस्तफाबाद निवासी हीरालाल पटेल पुत्र महादेव पटेल शामिल हैं। राजू पर धारा 323, 504, 506 भादवि से जुड़ा मामला विचाराधीन है। वहीं, हीरालाल पटेल के खिलाफ धारा 354क, 504 और 506 भादवि के तहत मामला दर्ज है। पुलिस ने दोनों वारंटियों को गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

अकेले यात्रा करने वालों के लिए जरूरी हैं ये कौशल, हर किसी को आने चाहिए

यात्रा करना एक रोमांचक और आनंददायक अनुभव हो सकता है, खासकर जब आप अकेले यात्रा करते हैं। हालांकि, अकेले यात्रा करने का मतलब यह नहीं है कि आपको हर चीज की जिम्मेदारी खुद उठानी होगी। कई ऐसे कौशल हैं, जो आपकी यात्रा को सुरक्षित और सुखद बना सकते हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे जरूरी कौशल बताते हैं, जो अकेले यात्रा करने वालों के लिए बहुत काम आ सकते हैं।

स्थानीय भाषा की जानकारी

स्थानीय भाषा की जानकारी आपकी यात्रा को बहुत आसान बना सकती है। इससे न केवल आप स्थानीय लोगों से बेहतर तरीके से बातचीत कर सकते हैं, बल्कि आपको सही दिशा में मार्गदर्शन भी मिल सकता है। अगर आप भाषा नहीं जानते तो कम से कम कुछ जरूरी शब्द और वाक्यांश याद कर लें, जैसे धन्यवाद, कृपया और मदद चाहिए आदि। इसके अलावा आप अपने फोन में भाषा अनुवादक ऐप्स डाउनलोड कर सकते हैं।

नक्शा पढ़ने की कला

नक्शा पढ़ने की कला एक अहम कौशल है, जो आपको नई जगहों पर आसानी से घूमने में मदद कर सकता है। आजकल स्मार्टफोन में जीपीएस और नक्शे होते हैं, लेकिन अगर

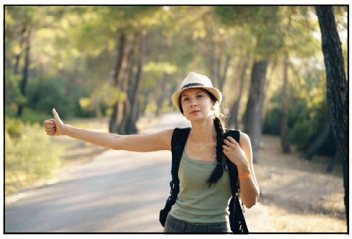

आपका फोन काम नहीं करता या बैटरी खत्म हो जाती है तो पुराने तरीके से नक्शा पढ़ना आना जरूरी है। इसके लिए आपको दिशा ज्ञान होना चाहिए, जैसे उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम की ओर जानना और प्रमुख स्थलों का पता लगाना।

पैसे संभालने की समझ यात्रा के दौरान पैसे संभालना बहुत जरूरी है। इसके लिए आपको नकद और क्रेडिट कार्ड दोनों का इस्तेमाल करना आना चाहिए।

नकद पैसे रखने के लिए एक सुरक्षित जगह चुनें और उसे नियमित रूप से जांचते रहें, वहीं क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते समय सावधानी बरतें और अपने खर्चों पर नजर रखें ताकि बजट से बाहर न जाएं। इसके अलावा स्थानीय मुद्रा का ज्ञान भी रखें ताकि आप बेझिझक खरीदारी कर सकें।

प्राथमिक चिकित्सा की जानकारी

यात्रा के दौरान छोटी–मोटी समस्याएं कभी भी हो सकती हैं, इसलिए प्राथमिक चिकित्सा की जानकारी होना बहुत जरूरी है। इसके लिए आपको बुनियादी प्राथमिक चिकित्सा किट साथ ले जानी चाहिए, जिसमें पट्टी, बैंड–एड्स, एंटीसेप्टिक लोशन, दर्द निवारक दवा आदि शामिल हों। इसके अलावा चोट लगने पर क्या करना चाहिए, बुखार होने पर क्या करना चाहिए और छोटे–मोटे संक्रमण का इलाज कैसे करना चाहिए, इन सबका ज्ञान होना जरूरी है।

स्थानीय परिवहन व्यवस्था की समझ

हर शहर की अपनी स्थानीय परिवहन व्यवस्था होती है, जिसे समझना आपकी यात्रा को सुगम बना सकता है। बस, ट्रेन, टैक्सी आदि सभी जगह अलग–अलग होते हैं इसलिए पहले से उनकी जानकारी रखें। अगर संभव हो तो ऑनलाइन टिकट बुकिंग व्यवस्था का इस्तेमाल करें ताकि आपको परेशानी न हो। इसके अलावा स्थानीय लोगों से मदद मांगने में न हिचकिचाएं क्योंकि वे आपकी मदद करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं।

संदीपा धर ने आतिश कपाड़िया को दिया कॉमेडी से परिचय कराने का श्रेय

नेटफ्लिक्स की चुंबक अपने मजेदार किरदारों और हल्के–फुल्के हास्य के कारण दर्शकों को काफी पसंद आ रही है। शो में संदीपा धर, किरण का किरदार निभा रही हैं, जो बाकी अजीबोगरीब किरदारों के बीच बेहद समझदार हैं। शो का हिस्सा बनने के बारे में बात करते हुए संदीपा ने कहा, एक दिन मुझे चुंबक के निर्देशक आतिश कपाड़िया का फोन आया और उन्होंने बताया कि वे नेटफ्लिक्स और जेडी के साथ मिलकर एक नया शो बना रहे हैं। ऐसे में उन्होंने मुझे इसके लिए टेस्ट देने को कहा। उनकी बात सुनकर पहले तो मैं हैरान रह गई कि कॉमेडी और मैं ? क्योंकि मैंने पहले कभी कॉमेडी नहीं की थी। लेकिन उनकी बात सुनकर मैंने हामी भर दी। संदीपा ने आगे बताया, इसके बाद जब मेरी मुलाकात आतिश कपाड़िया से हुई तो उन्होंने जिस अंदाज में मुझे पूरी कहानी सुनाई, वो उससे भी ज़्यादा मजेदार था। उन्होंने जिस तरह हर किरदार को खुद निभाकर दिखाया, मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मैं कोई नाटक देख रही हूं। उसी समय मैंने तय कर लिया कि मुझे इस शो का हिस्सा बनना ही है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए संदीपा धर ने कहा, किरण का किरदार निभाना मेरे लिए बिलकुल आसान नहीं था, क्योंकि वह शो की सबसे समझदार इंसान है। उसे अपने एक्शन से ही कॉमेडी करना था, लेकिन साथ ही इस बात का ख्याल भी रखना था कि उसके एक्शंस बनावटी न लगें। हालांकि इस बारे में मैंने आतिश से काफी चर्चा भी की थी। उसंदीपा की माने तो आतिश कपाड़िया की कहानी सुनाने की शैली और किरदारों को जीवंत करने की उनकी कला ने ही उन्हें चुंबक से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

तुम मेरे हो का टीजर जारी, फिल्म में दिखेगा गुरमीत चौधरी और ईशा मालवीय की प्यार का खूबसूरत सफर

गुरमीत चौधरी और ईशा मालवीय की आगामी प्रेम कहानी पर आधारित फिल्म श्तुम मेरे होत्र का गुरुवार को टीजर जारी कर दिया गया। टीजर में दर्शकों को प्यार और भावनाओं से भरी एक ऐसी दुनिया की झलक देखने को मिलती है, जो सामान्य जिंदगी से अलग नजर आती है। भावुक क्षणों और खूबसूरत दृश्यों से सजे टीजर में पृष्ठभूमि का संगीत कहानी के भावनात्मक पक्ष को और गहराई देता है। खास बात यह है कि इस फिल्म के जरिए ईशा मालवीय हिंदी सिनेमा में अपना पदार्पण करने जा रही हैं। आशीष पांडा के निर्देशन में बनी श्तुम मेरे होत्र में गुरमीत चौधरी और ईशा मालवीय के अलावा शान आर. ग्रोवर और अनुष्का लुहार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण आरती एस. और देबिना बनर्जी ने किया है, जबकि रोमांच मेहता और अम्मान रियास्ती सह–निर्माता हैं। निर्देशक आशीष पांडा ने फिल्म को लेकर कहा कि श्तुम मेरे होत्र के जरिए प्यार की गहराई को बड़े पर्दे पर प्रस्तुत करना उनके लिए सपने जैसा है। उनके अनुसार, यह केवल खूबसूरत प्रेम क्षणों की कहानी नहीं है,

बल्कि इसमें उन भावनाओं, चुनौतियों और परिस्थितियों को भी दिखाया गया है, जो दो लोगों के रिश्ते की परीक्षा लेती हैं। उन्होंने कहा कि फिल्म में गहरी प्रेम कहानी के साथ कार्रवाई और रोमांच का भी समावेश किया गया है। इसका उद्देश्य दर्शकों को बड़े स्तर का सिनेमाई अनुभव देना है। गुरमीत चौधरी के साथ काम करने के अनुभव पर आशीष पांडा ने कहा कि अभिनेता और निर्माता के रूप में उनके साथ काम करना बेहद सहज रहा। उन्होंने कहा कि पूरी प्रक्रिया के दौरान ऐसा कभी महसूस नहीं हुआ कि टीम केवल एक फिल्म बना रही है, बल्कि लगा कि सभी मिलकर दिल से निकली कोई कहानी तैयार कर रहे हैं। निर्देशक के मुताबिक, गुरमीत ने अपने किरदार के लिए जरूरी गंभीरता और विश्वास को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया तथा वह पूरी तरह फिल्म की दुनिया में डूब गए।

भाषा से भावना व्यक्त करने के तरीके में बदलाव आता है, बा बा ब्लैक शीप की मालवी मल्होत्रा

लुगु क्राइम–कॉमेडी फिल्म बा बा ब्लैक शीप में अभिनेत्री मालवी मल्होत्रा रमा के किरदार में नजर आ रही हैं। साउथ इंडस्ट्री में काम करने पर अभिनेत्री ने कहा कि भाषा इस बात को भी दिखाती है कि आप अपनी भावनाओं को दूसरों के सामने कैसे व्यक्त करते हैं। अभिनेत्री ने कहा, हर इंडस्ट्री की काम करने की संस्कृति, लय और कहानी कहने की भाषा होती है और मेरे लिए इससे परिचित होना मददगार है। भाषा सिर्फ शब्दों या उच्चारण के बारे में नहीं है बल्कि, यह दिखाती है कि आप अपने मन की भावनाओं को कैसे व्यक्त करते हैं, सीन की लय कैसी होती है और आप अपने सह–कलाकार को कैसे सुनते हैं। आखिरकार, भावनाएं सार्वभौमिक होती हैं। चाहे आप हिंदी, तेलुगु, तमिल या मलयालम बोल रहे हों, किरदार की सच्चाई सामने आनी चाहिए। इस समझ ने मुझे और अधिक सहज और बहुमुखी कलाकार बना दिया है। अभिनेत्री ने रमा के किरदार के बारे में बताते हुए कहा, रमा की अपनी अलग पहचान और इमोशनल सफर है। मुझे यह पसंद आया कि उसे सिर्फ हीरो के आसपास या उसकी कहानी को आगे बढ़ाने के लिए नहीं लिखा गया। उसके कई पहलू हैं और जहां कुछ पहलू वास्तविकता के करीब थे, वहीं कुछ ने मुझे अपने व्यक्तित्व से बाहर ला दिया।

करण जौहर का कॉफी विद करण के बाद नया धमाका, नए चौट शो से करेंगे वापसी

कॉफी विद करण का नौवां सीजन इसका आखिरी सीजन होगा। ये ऐलान खुद करण जौहर ने जियो हॉटस्टार पर कर दिया था, लेकिन क्या एक चौट शो होस्ट के रूप में ये उनका आखिरी सफर है? बिल्कुल नहीं। खबर है कि करण एक बिल्कुल नए चौट शो को लॉन्च करने की तैयारी में हैं। जब कमान करण के हाथों में है, तो जाहिर है कि इसमें बॉलीवुड का स्टाइल, चमक–धमक और चटपटी खबरों का जबरदस्त तड़का देखने को मिलेगा। जानकारी के मुताबिक, करण अपना नया शो लाना चाहते हैं। दरअसल, कॉफी विद करण नाम के अधिकार उनके पास नहीं बल्कि जियो हॉटस्टार के पास हैं। कहा जा रहा था कि करण फिल्म निर्देशन पर ध्यान देने के लिए ये शो बंद कर रहे हैं, लेकिन असली वजह ये है कि

वो पूरी तरह से अपना नया शो बनाना चाहते हैं, जिसे वो पहले यूट्यूब पर रिलीज करेंगे और फिर किसी बड़े ओटीटी प्लेटफॉर्म को बेचेंगे। हाल–फिलहाल करण का पूरा ध्यान कॉफी विद करण 9 पर है। इस आखिरी सीजन के लिए उन्होंने बॉलीवुड के दिग्गज सितारों को एक साथ जुटाया है। सूत्रों के मुताबिक, सलमान खान ने गुरुवार को अपने एपिसोड की शूटिंग पूरी कर ली है। चर्चा है कि शो की शुरुआत या तो सलमान खान करेंगे या फिर आलिया भट्ट, रणबीर कपूर और विक्की कौशल। यही नहीं, पहली बार शाहरुख खान और उनके बेटे आर्यन खान भी एक साथ शो में नजर आएंगे।

गंभीर एलर्जी से जुड़े हो सकते हैं ये संकेत, न करें नजरअंदाज

एलर्जी एक आम समस्या है, जो किसी भी व्यक्ति को हो सकती है। यह समस्या तब गंभीर हो जाती है, जब शरीर किसी चीज के प्रति अत्यधिक प्रतिक्रिया देता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे संकेत बताते हैं, जो बताते हैं कि आपको डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए और एलर्जी को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए क्योंकि समय पर इलाज न करने पर यह जानलेवा भी हो सकती है।

अगर आपको सांस लेने में काफी परेशानी हो रही है तो इसे नजरअंदाज न करें। यह एक गंभीर संकेत हो सकता है कि आपको किसी चीज से एलर्जी हो गई है। इस स्थिति में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। डॉक्टर आपकी समस्या का सही कारण बताएंगे और आपको सही इलाज और दवाइयां देंगे।

इसके अलावा सांस लेने में परेशानी होने पर खुद से कोई भी घरेलू उपाय न आजमाएं।

होंठों और चेहरे का सूजना

अगर आपके होंठ या चेहरा अचानक से सूजने लगे तो इसे नजरअंदाज न करें। यह भी एक गंभीर संकेत हो सकता है कि आपको किसी चीज से एलर्जी हो गई है। इस स्थिति में भी तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। डॉक्टर आपकी समस्या का सही कारण बताएंगे और आपको सही इलाज और दवाइयां देंगे।

इसके अलावा खुद से कोई भी घरेलू उपाय न आजमाएं। सही इलाज से ही समस्या का समाधान होगा।

चक्कर आना या बेहोश होना

अगर आपको चक्कर आए या बेहोश हो जाएं तो इसे हल्के में न लें। यह भी एक गंभीर संकेत हो सकता है कि आपको किसी चीज से एलर्जी हो गई है। इस स्थिति में भी तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। डॉक्टर आपकी समस्या का सही कारण बताएंगे और आपको सही इलाज और दवाइयां देंगे। इसके अलावा खुद से कोई भी घरेलू उपाय न आजमाएं। सही इलाज से ही समस्या का समाधान होगा।

त्वचा पर लाल चकत्ते होना

अगर आपकी त्वचा पर लाल चकत्ते हो जाएं तो इसे नजरअंदाज न करें। यह भी एक गंभीर संकेत हो सकता है कि आपको किसी चीज से एलर्जी हो गई है। इस स्थिति में भी तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। डॉक्टर आपकी समस्या का सही कारण बताएंगे और आपको सही इलाज और दवाइयां देंगे। इसके अलावा खुद से कोई भी घरेलू उपाय न आजमाएं। सही इलाज से ही समस्या का समाधान होगा।

उल्टी या दस्त लगना

अगर आपको उल्टी या दस्त लग जाएं तो इसे हल्के में न लें। यह भी एक गंभीर संकेत हो सकता है कि आपको किसी चीज से एलर्जी हो गई है। इस स्थिति में भी तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। डॉक्टर आपकी समस्या का सही कारण बताएंगे और आपको सही इलाज और दवाइयां देंगे। इन सभी संकेतों को नजरअंदाज न करें। अगर आपको इनमें से कोई भी समस्या होती है तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

150वीं वर्षगांठ टेस्ट में खास जर्सी पहनकर उतरेगी ऑस्ट्रेलियाई टीम, एमसीजी में इंग्लैंड से होगी भिड़ंत

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की टीम अगले साल मार्च में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में इंग्लैंड के खिलाफ खेले जाने वाले 150वीं वर्षगांठ टेस्ट के दौरान खास सफेद जर्सी पहनेगी। इस विशेष टेस्ट किट में ऑस्ट्रेलिया के पारंपरिक हरे और सुनहरे रंग को शामिल किया जाएगा, ताकि इस ऐतिहासिक मौके को यादगार बनाया जा सके। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने सोमवार को इस विशेष किट का अनावरण किया, जिसे 11 मार्च से शुरू होने वाले 150वीं वर्षगांठ टेस्ट से ठीक 150 दिन पहले लॉन्च किया गया। इस ऐतिहासिक किट में पारंपरिक गोल्डन वॉटल ट्रिम की जगह सुनहरे रंग का इस्तेमाल किया गया है, जबकि एक हरा फ्लैकेट भी जोड़ा गया है। जर्सी की स्लीव पर सुनहरे रंग में 150वीं वर्षगांठ टेस्ट का विशेष लोगो और किट

निर्माता कंपनी एएसआईसीएस का लोगो लगाया गया है। इसके अलावा, कॉलर, शर्ट और पैंट की साइड सीम पर सुनहरी पाइपिंग दी गई है, जबकि बटनों पर भी सुनहरे रंग की फिनिश दिखाई देगी। यह डिजाइन ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट की विरासत और इस ऐतिहासिक मुकाबले के महत्व को दर्शाने के लिए तैयार किया गया है। इसके अलावा, यह किट वैसी ही है जैसी ऑस्ट्रेलिया की पुरुष टीम 2025–26 के समर सीजन में लॉन्च होने के बाद से टेस्ट मैचों में पहनती आ रही है। इसके कंधों पर मशहूर एबोरिजिनल आर्टिस्ट आंटी फियोना क्लार्क की बनाई आदिवासी कलाकृति बनी है। क्रिकेट डॉट कॉम एयू के अनुसार, लैंड एंड सी नाम की इस कलाकृति में वॉकअबाउट विकेट्स मोटिफ को शामिल किया गया है। यह डिजाइन ऑस्ट्रेलिया की पहली विदेशी दौरे पर जाने वाली क्रिकेट टीम एबोरिजिनल इलेवन को श्रद्धांजलि देने की परंपरा को आगे बढ़ाता है। इसी टीम ने 1868 में इंग्लैंड का ऐतिहासिक दौरा किया था और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय लिखा था। 150वें वर्षगांठ टेस्ट के शुरुआती तीन दिनों के लिए सभी पब्लिक टिकट बिक चुके हैं दृ यह मैच डे–नाइट होगा।

गोल्ड ईटीएफ में निवेश 71 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 4,451 करोड़ रुपए हुआ

नयी दिल्ली, एजेंसी। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में शुद्ध निवेश अगस्त के 2,597 करोड़ रुपए से महीने–दर–महीने आधार पर 71.4 प्रतिशत बढ़कर सितंबर में 4,451 करोड़ रुपए हो गया है। यह दिखाता है कि सोने की ओर लोगों का रुझान बढ़ रहा है। गोल्ड ईटीएफ में मजबूत निवेश के बावजूद, व्यापक म्यूचुअल फंड उद्योग में महीने के दौरान 1.33 लाख करोड़ रुपए का शुद्ध निकासी दर्ज की गई। इससे पहले अगस्त में 41,353 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया था। इस गिरावट की मुख्य वजह फिक्स्ड इनकम म्यूचुअल फंड योजनाओं से बड़ी मात्रा में निकासी रही।

आईडीए में निशुल्क महिला स्वास्थ्य एवं कैंसर जांच शिविर का आयोजन 16 अक्टूबर को

हरियाणा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी होंगी होंगी मुख्य अतिथि

गुरुग्राम। उद्यमियों का प्रतिनिधित्व करने वाली इंडस्ट्रियल डवलपमेंट एसोसिएशन (आईडीए) सेक्टर–37 द्वारा नेशनल ह्यूमन वेलफेयर काउंसिल (एनएचडब्ल्यूसी) तथा मेदांता फाउंडेशन के सहयोग से औद्योगिक क्षेत्र में कार्यरत महिला कर्मचारियों के स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं कल्याण के लिए आगामी 16 अक्टूबर को सेक्टर–37, फेस सिटी–2 के प्लॉट नंबर 511 स्थित आईडीए कार्यालय सेहत नामक निशुल्क महिला स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। आईडीए के अध्यक्ष के के गांधी व एनएचडब्ल्यूसी के संस्थापक गुंजन मेहता ने कहा कि शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी शामिल होंगी। शिविर में महिला कर्मचारियों के स्वास्थ्य, कैंसर की समय पर पहचान, स्वास्थ्य जागरूकता एवं महिला सशक्तिकरण को लेकर विशेष पहल की जाएगी। यह स्वास्थ्य शिविर एनएचडब्ल्यूसी के उद्योग श्रमिक कल्याण अभियान के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य औद्योगिक इकाइयों में कार्यरत महिलाओं को आधुनिक स्वास्थ्य जांच सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराना

तथा गंभीर बीमारियों की प्रारंभिक अवस्था में पहचान के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा डिजिटल मैमोग्राफी, पैप स्मीयर टेस्ट, डिजिटल चेस्ट एक्स–रे के अलावा महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता, कैंसर की रोकथाम, नियमित स्वास्थ्य जांच, व्यक्तिगत स्वास्थ्य एवं आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श की सुविधा भी होगी। केके गांधी ने गुरुग्राम के सभी उद्योगपतियों, फैक्ट्री संचालकों, एचआर प्रबंधकों एवं औद्योगिक संगठनों से अपील की कि वे अपने प्रतिष्ठानों में कार्यरत महिला कर्मचारियों को इस महत्वपूर्ण स्वास्थ्य शिविर में भाग लेने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने विशेष रूप से 30 वर्ष एवं उससे अधिक आयु की महिला कर्मचारियों को उनकी आयु एवं चिकित्सकीय पात्रता के अनुसार उपलब्ध कैंसर स्क्रीनिंग सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करने का अनुरोध किया। केके गांधी ने कहा कि हरियाणा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी का इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होना औद्योगिक क्षेत्र की महिला कर्मचारियों के लिए महत्वपूर्ण अवसर है।

तिलक वर्मा ने पूरा किया खास अर्धशतक, कोहली–रोहित के क्लब में हुए शामिल

इंदौर, एजेंसी। टीम इंडिया ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए वेस्टइंडीज को तीसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में 14 रनों से हराया। भारत से मिले 224 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए कैरेबियाई टीम निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट गंवाकर 209 रन ही बना सकी। तिलक वर्मा ने इस मुकाबले में खास अर्धशतक पूरा किया। दरअसल, तिलक ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में बतौर फील्डर 50 कैच पूरे कर लिए हैं। वह इस मुकाम तक पहुंचने वाले भारत के महज पांचवें खिलाड़ी बने हैं। तिलक से पहले यह उपलब्धि रोहित शर्मा, हार्दिक पांड्या, सूर्यकुमार यादव और विराट कोहली ने हासिल की है। इस लिस्ट में 65 कैच लेकर रोहित सबसे ऊपर मौजूद है। वहीं, हार्दिक पांड्या ने 64, सूर्यकुमार ने 58 और कोहली ने 54 कैच पकड़े हैं। तीसरे टी20 में तिलक का प्रदर्शन बल्ले से भी दमदार रहा। उन्होंने महज 16 गेंदों का सामना करते

हुए 28 रनों की तेज तर्रार पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 175 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 4 चौके लगाए। दूसरे टी20 में भी तिलक ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 18 गेंदों में 44 रनों की नाबाद पारी खेली थी। तीसरे टी20 में तिलक के अलावा, भारत की ओर से अभिषेक शर्मा ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 30 गेंदों में 69 रनों की दमदार पारी खेली। अभिषेक ने अपनी इस पारी में 6 चौके और 5 छक्के लगाए। वहीं, ईशान किशन ने 18 गेंदों में 37 रन बनाए, जिसके दम पर भारत की टीम 223 रनों के स्कोर तक पहुंचने में सफल रही। हालांकि, वेस्टइंडीज की टीम शिमरोन हेटमायर (43 रन) और कामिल पूरन (42 रन) की दमदार पारियों के बावजूद लक्ष्य से 14 रन दूर रह गई।

रिकॉर्ड छठा खिताब जीतने के इरादे से उतरेगा भारत

नयी दिल्ली, एजेंसी। एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 का आयोजन पंजाब में 27 अक्टूबर से 5 नवंबर के बीच होगा, जिसमें आठ संस्करणों में पांच खिताब जीतकर मौजूदा चैंपियन भारतीय पुरुष टीम अपना छठा खिताब जीतने की कोशिश करेगी। जालंधर और मोहाली में खेले जाने वाले एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के नौवें संस्करण में भारत इस साल की शुरुआत में एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक सफलतापूर्वक बचाने के बाद अपना दबदबा बनाए रखने की कोशिश करेगा। साल 2011 में पहले संस्करण को जीतने के बाद से, भारत ने अलग–अलग परिस्थितियों में महाद्वीपीय खिताब जीता है, जिसमें शूटआउट में जीत, फाइनल में करीबी जीत, संयुक्त चैंपियनशिप और घरेलू मैदान पर मलेशिया के खिलाफ वापसी शामिल हैं।

हम सभी को अपनी कोशिशों पर गर्व है, गेंदबाजों ने प्लान को बहुत अच्छे से लागू किया: नीतीश रेड्डी

इंदौर, एजेंसी। भारत ने वेस्टइंडीज को रविवार को होल्कर स्टेडियम में खेले गए तीसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में 14 रनों से हराया। जीत के बाद ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी ने भारतीय गेंदबाजों के प्रदर्शन की जमकर तारीफ की। भारतीय गेंदबाज 224 रनों के लक्ष्य का बचाव करने में सफल रहे और वेस्टइंडीज को 7 विकेट खोकर 209 रनों के स्कोर पर रोका। वेस्टइंडीज के इस दौरे पर यह पहला मौका रहा, जब रनों का पीछा करते हुए दोनों में से किसी टीम को हार का सामना करना पड़ा। नीतीश ने बल्ले से 21 रनों का योगदान दिया, जबकि गेंदबाजी में 19 रन देकर एक विकेट चटकाया। नीतीश ने कहा कि टीम इस बात से खुश है कि गेंदबाजों ने आखिरी ओवरों में अपने प्लान पर अच्छी तरह अमल किया। 224 रनों का बचाव

करते हुए भारतीय गेंदबाजों ने रनों की गति को कंट्रोल में रखा और डेथ ओवरों में अच्छी यॉर्कर फेंकी, जिससे वेस्टइंडीज लक्ष्य को हासिल करने में नाकाम रही। मैच के बाद ब्रॉडकास्टर्स से बात करते हुए नीतीश ने कहा, जीत तो जीत होती है। हम सभी को अपनी कोशिशों पर गर्व है। हम जानते हैं कि यह आसान नहीं है, लेकिन गेंदबाजों ने प्लान को बहुत अच्छे से लागू किया। उस समय मुझे लगता है कि उन्हें हर ओवर में 14 रनों की जरूरत थी, और हम सोचा कि अगर हम हर गेंद पर सिर्फ एक रन ही दें, तो यह हमारे लिए काम करेगा। उन्होंने आगे कहा, हम विकेट लेने की कोशिश नहीं कर रहे थे। कभी–कभी डिफेंसिव प्लान भी अटैकिंग प्लान हो सकता है। हमारे कप्तान के प्लान बहुत साफ थे। हम अपनी योजना पर टिके रहना था और अपनी फील्डिंग के हिसाब से गेंदबाजी करनी थी। अगर हमें छक्का भी लग जाए, तो भी हमें अपनी योजना पर ही टिके रहना होगा। छोटी बाउंड्री वाली पिच पर पहले बैटिंग करते हुए अच्छा स्कोर बनाने की चुनौती के बारे में पूछे जाने पर नीतीश ने भारत को 223 रन तक पहुंचाने में निचले क्रम के बल्लेबाज प्रिंस यादव (छह गेंदों पर नाबाद 13 रन, जिसमें तीन चौके शामिल थे) के योगदान की तारीफ की।

ब्रेकआउट मिला तो 23,300 तक दिख सकती है तेजी: एक्सपर्ट्स

मुंबई, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार ने शुक्रवार को मजबूती के साथ कारोबार समाप्त किया और लगातार आठ सप्ताह की गिरावट का सिलसिला टूट गया। हालांकि बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा रिकवरी कितनी टिकाऊ होगी, यह आने वाले दिनों में प्रमुख तकनीकी स्तरों को पार करने पर निर्भर करेगा। शुक्रवार को निफ्टी 1.3 प्रतिशत चढ़कर 22,520.45 पर बंद हुआ, जबकि सेंसेक्स 1.23 प्रतिशत की बढ़त के साथ 72,472.33 पर पहुंच गया। बाजार की इस तेजी में आईटी शेयरों की अहम भूमिका रही। बेहतर तिमाही नतीजों और अंतरराष्ट्रीय कारोबार में मजबूत वृद्धि के संकेतों ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया। साप्ताहिक आधार पर निफ्टी में 0.44 प्रतिशत और सेंसेक्स में 0.78 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। यह रिकवरी ऐसे समय में आई है जब इससे पहले आठ सप्ताह के दौरान निफ्टी करीब 8.7 प्रतिशत और सेंसेक्स 8.4 प्रतिशत तक टूट चुका था। विशेषज्ञों के अनुसार, हालिया तेजी बाजार में स्थिरता के शुरुआती संकेत देती है, लेकिन मजबूत रिकवरी की पुष्टि के लिए प्रमुख प्रतिरोध (रेजिस्टेंस) स्तरों को पार करना जरूरी होगा। तब तक बाजार में उतार–चढ़ाव बना रह सकता है। विश्लेषकों का कहना है कि निफ्टी के लिए 22,200–22,250 का दायरा महत्वपूर्ण सपोर्ट जोन है, जबकि 22,750–22,800 का स्तर तत्काल प्रतिरोध के रूप में देखा जा रहा है। बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक, यदि निफ्टी 22,200 के नीचे फिसलता है तो गिरावट का व्यापक कंझान फिर से शुरू हो सकता है। वहीं दूसरी ओर, यदि इंडेक्स 22,800 के ऊपर मजबूती से टिकता है।

सकारात्मक वैश्विक संकेतों के बीच हरे निशान में खुला बाजार, सेंसेक्स में 412 अंकों की बढ़त, निफ्टी में 0.58 प्रतिशत की तेजी

मुंबई, एजेंसी। एशियाई बाजारों में मजबूती और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जैसे सकारात्मक वैश्विक संकेतों के बीच हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार मामूली बढ़त के साथ हरे निशान में खुला, जबकि रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मजबूत हुआ। सेंसेक्स अपने पिछले बंद 72,472.33 से 298.99 अंक यानी 0.41 प्रतिशत बढ़कर 72,771.32 पर खुला, तो वहीं निफ्टी 50 अपने पिछले बंद 22,520.45 से 72.75 अंक यानी 0.32 प्रतिशत चढ़कर 22,593.20 पर खुला। हालांकि दिन के कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 411.92 अंकों यानी 0.56 प्रतिशत की तेजी के साथ 72884.25 का उच्चतम स्तर छुआ, जबकि निफ्टी 50 का दिन का उच्चतम स्तर 22,651.10 रहा, जो 130.65 अंक यानी 0.58 प्रतिशत की बढ़त को दर्शाता है। व्यापक बाजार ने प्रमुख बेंचमार्को से

बेहतर प्रदर्शन किया, जिसमें निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 1.3 प्रतिशत और निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.40 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी दर्ज की गई। वहीं सेक्टरवार देखें तो निफ्टी ऑटो, निफ्टी मेटल्स, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी ऑयल एंड गैस और निफ्टी फार्मा इंडेक्स में बढ़त देखी गई, जबकि निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी आईटी और निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स में बिकवाली का दबाव रहा। इस बीच, भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 97 पैसे मजबूत होकर 95.76 पर खुला, जबकि इससे पहले यह 96.73 पर बंद हुआ था। वैश्विक स्तर पर, एशियाई बाजारों में मिला–जुला रुख देखने को मिला, जहां दक्षिण कोरिया के कोस्पी और कोस्डैक में 3 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। अमेरिकी शेयर बाजार पिछले सप्ताह बढ़त के साथ बंद हुआ, शुक्रवार को तीनों प्रमुख अमेरिकी शेयर सूचकांकों में तेजी आई और इस तरह साप्ताहिक बढ़त दर्ज की गई। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई, ब्रेंट तेल की कीमतें 103 डॉलर प्रति बैरल से नीचे गिर गईं। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि फिलहाल घरेलू सकारात्मक कारकों की तुलना में वैश्विक चुनौतियां अधिक प्रभाव डाल रही हैं। उनके अनुसार, ऊंची अमेरिकी बॉन्ड यील्ड और कच्चे तेल की कीमतें अभी भी बाजार के लिए चिंता का विषय बनी हुई हैं। विश्लेषकों का मानना है कि विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) निकट अवधि में बिकवाली जारी रख सकते हैं, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) उनकी बिकवाली को काफी हद तक संतुलित करते रहेंगे। हालांकि भारत की अर्थव्यवस्था के लिए वित्त वर्ष 2027 में 7.1 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि अनुमान और कॉर्पोरेट मुनाफे में सुधार जैसे मजबूत बुनियादी कारक बाजार को समर्थन दे रहे हैं। विशेषज्ञों ने कहा कि ऐसे माहौल में निवेशक बाजार की अनिश्चितता और उतार–चढ़ाव को नजरअंदाज करते हुए उचित मूल्यांकन वाले ग्रोथ शेयरों में निवेश जारी रख सकते हैं। लंबी अवधि के निवेशकों के लिए मौजूदा बाजार अच्छे खरीदारी अवसर प्रदान कर रहा है।

वैश्विक अस्थिरता बढ़ने से भारतीय शेयर बाजार लाल निशान में बंद

मुंबई, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार सोमवार के कारोबारी सत्र में लाल निशान में बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 547.65 अंक या 0.76 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 71,924.68 और निफ्टी 157.10 अंक या 0.70 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,363.35 पर था। बाजार में बिकवाली का सबसे अधिक दबाव एफएमसीजी और सरकारी बैंकिंग स्टॉक्स में देखा गया। सूचकांकों में निफ्टी एफएमसीजी 1.67 प्रतिशत और निफ्टी पीएसयू बैंक 1.18 प्रतिशत की कमजोरी के साथ टॉप लूजर्स थे। इसके अलावा, निफ्टी इन्फ्रा, निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी आईटी, निफ्टी कंज्मशन, निफ्टी कमोडिटीज और निफ्टी ऑयल एंड गैस सबसे ज्यादा गिरने वाले सूचकांकों में शामिल थे। निफ्टी फार्मा, निफ्टी पीएसई और निफ्टी एनर्जी हरे निशान में थे। लार्जकैप के उलट मिडकैप और स्मॉलकैप में खरीदारी देखी गई।

दिल्ली ईवी नीति 2026 को मिला जोरदार रिस्पॉन्स: 3 महीने में 7,700 से अधिक आवेदन, 7.91 करोड़ रुपए की सब्सिडी वितरित

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार की ईवी पॉलिसी 2026 को लॉन्च के बाद से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। 1 जुलाई 2026 से लागू इस नीति के तहत 8 अक्टूबर तक 7,782 प्रोत्साहन (इंसेंटिव) आवेदन प्राप्त हुए है जबकि 2,731 लाभार्थियों को 7.91 करोड़ रुपए की सब्सिडी वितरित की जा चुकी है। यह आंकड़े दिखाते हैं कि राजधानी में इलेक्ट्रिक वाहनों की स्वीकार्यता लगातार बढ़ रही है। रविवार को एक बयान में यह जानकारी सामने आई है। सरकार का कहना है कि यह नीति वायु प्रदूषण कम करने, स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देने और दिल्ली को हरित एवं टिकाऊ शहर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। बयान के अनुसार, दिल्ली ईवी नीति के तहत प्राप्त कुल आवेदनों में सबसे बड़ी हिस्सेदारी इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की रही है, जिसमें अब तक 7,706 आवेदन इलेक्ट्रिक टू–व्हीलर्स से जुड़े मिले। आंकड़ों के अनुसार, 2,707 लाभार्थियों को 7.61 करोड़ रुपए की खरीद प्रोत्साहन राशि वितरित की गई है। इसके अलावा, पुराने वाहनों को स्क्रैप कर नए ईवी खरीदने वालों को 29.50 लाख रुपए की स्क्रैपिंग इंसेंटिव राशि दी गई है, जिसका लाभ 79 लोगों ने लिया। नीति के तहत विभिन्न श्रेणियों के इलेक्ट्रिक वाहनों पर सब्सिडी दी जा रही है। पहले वर्ष में 2.25 लाख रुपए तक की एक्स–शोरूम कीमत वाले इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों पर बैटरी क्षमता के आधार पर अधिकतम 30,000 रुपए तक की सब्सिडी उपलब्ध है। इसी तरह इलेक्ट्रिक थ्री–व्हीलर, माल ढुलाई वाले इलेक्ट्रिक वाहनों और अन्य श्रेणियों के लिए भी अलग–अलग प्रोत्साहन राशि निर्धारित की गई है। सरकार का लक्ष्य शुरुआती वर्षों में अधिक से अधिक लोगों को इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर आकर्षित करना है। दिल्ली ईवी नीति के तहत पुराने प्रदूषणकारी वाहनों को हटाने के लिए स्क्रैपिंग इंसेंटिव की भी व्यवस्था की गई है। यदि कोई व्यक्ति अधिकृत स्क्रैपिंग सुविधा में पुराना दिल्ली–पंजीकृत वाहन जमा कर छह महीने के भीतर नया इलेक्ट्रिक वाहन खरीदता है, तो उसे अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि मिलेगी। उदाहरण के तौर पर, पुराने बीएस–ढ्ढढ्ढ या उससे नीचे के दोपहिया वाहन को स्क्रैप कर नया इलेक्ट्रिक दोपहिया खरीदने पर 10,000 रुपए। वहीं, पुराने कार को स्क्रैप कर 30 लाख रुपए तक की कीमत वाली नई इलेक्ट्रिक कार खरीदने पर 1 लाख रुपए तक का प्रोत्साहन, जबकि पुराने माल वाहक वाहन को स्क्रैप कर इलेक्ट्रिक गुड्स वाहन खरीदने पर 50,000 रुपए तक की सहायता प्रदान की जाएगी। बयान में कहा गया है कि नीति की सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक योग्य इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन शुल्क में 100 प्रतिशत छूट है। 30 लाख रुपए तक की एक्स–शोरूम कीमत वाली इलेक्ट्रिक कारों को 31 मार्च 2030 तक इस लाभ का फायदा मिलेगा, जिससे इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने की कुल लागत में उल्लेखनीय कमी आती है।

वित्तीय सेवा क्षेत्र में तिमाही में दोगुने से अधिक बढ़कर 7.3 अरब डॉलर रहा

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत के वित्तीय सेवा क्षेत्र में 2026 की तीसरी तिमाही (जुलाई–सितंबर) में 7.3 अरब डॉलर के 67 सौदे दर्ज किए गए। यह जानकारी सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई। ग्रांट थॉर्नटन भारत की रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान सौदों का कुल मूल्य तिमाही–दर–तिमाही आधार पर 129 प्रतिशत बढ़ा, जबकि सौदों की संख्या मामूली रूप से 65 से बढ़कर 67 हो गई। सौदों के मूल्य में इस तेज वृद्धि के पीछे बड़े मूल्य वाले विलय एवं अधिग्रहण (एमएंडए) सौदे और सार्वजनिक बाजार में पूंजी जुटाने की गतिविधियों की अहम भूमिका रही।

फेस्टिव सीजन की धमाकेदार शुरुआत, पहले दो दिनों में ई–कॉमर्स बिक्री 24,000 करोड़ रुपए के पार: रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में त्योहारी खरीदारी सीजन की शुरुआत जोरदार रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार, देश के प्रमुख ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स ने फेस्टिव सेल के पहले दो दिनों में करीब 24,000 करोड़ रुपए की बिक्री दर्ज की है। इस दौरान ग्राहकों ने स्मार्टफोन, इलेक्ट्रॉनिक्स, घरेलू उपकरणों और फैशन उत्पादों की जमकर खरीदारी की। रेडसीर स्ट्रैटेजी कंसल्टेंट्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेजन, फ्लिपकार्ट, मीशो और अजियो जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स ने फेस्टिव सेल के शुरुआती दो दिनों में 2.5 अरब डॉलर (करीब 24,200 करोड़ रुपए) से अधिक का ग्रॉस मर्चेंडाइज वैल्यू (जीएमवी) दर्ज किया। रिपोर्ट के अनुसार, देशभर के ग्राहकों ने इस दौरान 8 से 9 करोड़ ऑर्डर दिए, जबकि करीब 6 से 6.5 करोड़ उपभोक्ताओं ने इस शॉपिंग इवेंट में हिस्सा लिया। फेस्टिव सीजन के पहले दो दिनों की बिक्री सामान्य दिनों की तुलना में लगभग छह गुना अधिक रही, जो त्योहारी खरीदारी के बड़े पैमाने को दर्शाती है। बिक्री में स्मार्टफोन सबसे बड़ी श्रेणी रहे। कुल जीएमवी में इनकी हिस्सेदारी 38 से 40 प्रतिशत रही, जो करीब 9,100 करोड़ रुपए से 9,600 करोड़ रुपए के बराबर है।

प्रकाशक, मुद्रक एवम् संपादक विजय दुबे द्वारा 62, पार्वती नगर, पाण्डेयपुर, वाराणसी से प्रकाशित व काशी प्रिंटर्स, मिन्ट हाउस, वाराणसी से मुद्रित। समस्त विवादों को लखनऊ की सक्षम अदालतों में निपटाया जायेगा।

फोन : 91 8787220970
91 9839666352
आर.एन.आई. रू UPHIN/2008/32231
डाक पंजीयन : जी–2/न्यूज पेपर/59/2004.
E-mail: lokhastakshep@gmail.com

संपादकः विजय दुबे
कार्यकारी संपादकः दीप्ती दुबे
संपादकीय सलाहकार : राधाकृष्ण मिश्र

'समाचारों के चयन व संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी

हरियाणा में आज से ब्लॉक स्तर पर कांग्रेस का वोट बचाओ देश बचाओ अभियान

राजेंद्र सिंह जादौन

चंडीगढ़। हरियाणा कांग्रेस बुधवार 14अक्टूबर से 24अक्टूबर तक प्रदेश में ब्लॉक स्तर पर वोट बचाओ देश बचाओ अभियान चलाएगी। हरियाणा कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी संजय दत्त एवं प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने मंगलवार को चंडीगढ़ स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में चलाया जा रहा 'वोट बचाओदृदेश बचाओ' अभियान लोकतंत्र, संविधान और प्रत्येक नागरिक के मताधिकार की रक्षा के लिए एक निर्णायक जनआंदोलन का रूप लेगा। कांग्रेस पार्टी चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता, निष्पक्षता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है तथा इस उद्देश्य को लेकर प्रदेशभर में जनजागरण अभियान चलाया जाएगा।

प्रदेश प्रभारी संजय दत्त ने कहा कि 12 अक्टूबर को दिल्ली में आयोजित रोष मार्च में उमड़े जनसैलाब ने स्पष्ट कर दिया है कि देश की जनता लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए पूरी तरह सजग है। वोट चोरी के गंभीर मुद्दे और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की जवाबदेही को लेकर उठ रही आवाज अब देशव्यापी जनआवाज बन चुकी है। कांग्रेस पार्टी की मांग है कि चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता और विश्वसनीयता पर उठ रहे सवालों का जवाब दिया जाए तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार 'वोट बचाओदृदेश बचाओ' अभियान के तहत आगामी दो माह के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है। इसी क्रम में 14 अक्टूबर से 24 अक्टूबर तक हरियाणा के सभी ब्लॉकों में ब्लॉक–स्तरीय मार्च एवं जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से जनता को मताधिकार के महत्व, संवैधानिक अधिकारों और लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती के प्रति जागरूक किया जाएगा। संजय दत्त ने कहा कि कांग्रेस का उद्देश्य केवल विरोध दर्ज कराना नहीं, बल्कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए आम नागरिकों को जागरूक और संगठित करना है। जब देश के नागरिकों के वोट और उनके संवैधानिक अधिकारों से जुड़े सवाल उठते हैं, तो उन सवालों का समाधान करना लोकतांत्रिक व्यवस्था की जिम्मेदारी बनती है। कांग्रेस इस मुद्दे को पूरी मजबूती के साथ जनता के बीच लेकर जाएगी और जवाबदेही सुनिश्चित होने तक अपना संघर्ष जारी रखेगी।

हरियाणा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि 'वोट बचाओदृदेश बचाओ' अभियान के तहत प्रदेश के प्रत्येक ब्लॉक में व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों के नेतृत्व में महात्मा गांधी अथवा डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमाओं से जनपदयात्राध साइकिल यात्रा ध्बाइक यात्रा निकाली जाएगी, जो संबंधित उपमंडल अधिकारी (ैक्ड) के कार्यालय अथवा स्थानीय प्रशासनिक मुख्यालय तक पहुंचेगी।

उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों के समापन पर कांग्रेस नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता सामूहिक रूप से भारतीय संविधान के अनुच्छेद 326, जो वयस्क मताधिकार से संबंधित है, का पाठ करेंगे तथा राष्ट्रगान के माध्यम से लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक अधिकारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करेंगे। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार मुख्य चुनाव आयुक्त के पुतले का दहन कर भी विरोध दर्ज कराया जाएगा। सभी कार्यक्रम शांतिपूर्ण, अनुशासित और लोकतांत्रिक तरीके से आयोजित किए जाएंगे।

राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि इस अभियान की सफलता के लिए संगठन के प्रत्येक स्तर पर समन्वय और सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। सभी जिला कांग्रेस कमेटियों और ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों के अध्यक्षों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने–अपने जिलों के लिए नियुक्त प्रभारियों से संपर्क स्थापित कर कार्यक्रमों की प्रभावी रूपरेखा तैयार करें और निर्धारित समयावधि में उनका सफल आयोजन सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों में सांसदों, विधायकों, पूर्व सांसदों, पूर्व विधायकों, लोकसभा एवं विधानसभा चुनावों में पार्टी के प्रत्याशियों, वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, अग्रिम संगठनों, विभागों, प्रकोष्ठों तथा कांग्रेस कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। संगठन की एकजुटता और कार्यकर्ताओं की मेहनत के बल पर इस अभियान को प्रदेश के प्रत्येक गांव, कस्बे और शहर तक पहुंचाया जाएगा।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मतदान का अधिकार लोकतंत्र की बुनियाद है और इसकी निष्पक्षता पर जनता का विश्वास बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। कांग्रेस पार्टी संविधान की मूल भावना, लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। 'वोट बचाओदृदेश बचाओ' अभियान के माध्यम से पार्टी जनता के बीच इन मुद्दों को प्रमुखता से उठाएगी और लोकतंत्र की मजबूती के लिए अपना संघर्ष जारी रखेगी।

संजय दत्त और राव नरेंद्र सिंह ने प्रदेश के सभी कांग्रेस नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे इस अभियान को सर्वोच्च प्राथमिकता दें तथा पूर्ण निष्ठा, एकजुटता और संगठनात्मक अनुशासन के साथ इसमें भाग लें, ताकि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा का यह संदेश जन–जन तक पहुंचे और 'वोट बचाओदृदेश बचाओ' अभियान एक सशक्त जनआंदोलन का स्वरूप ग्रहण करे।

कर्नाटक की राज्यपाल बनने पर पूर्व सांसद डॉ. सुधा यादव को भाजपा के वरिष्ठ नेता दलीप लूथरा ने दी बधाई

लोकेश कुमार

गुरुग्राम ।भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेता और पूर्व लोकसभा सांसद डॉ. सुधा यादव को केंद्र सरकार द्वारा कर्नाटक का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। उनकी इस नियुक्ति की घोषणा के बाद से ही समर्थकों, कार्यकर्ताओं और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में खुशी की लहर है। भाजपा के वरिष्ठ नेता दलीप लूथरा ने राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन आदि शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए डॉ. सुधा यादव को कर्नाटक का राज्यपाल नियुक्त किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की और उन्हें हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दीं। दलीप लूथरा ने बताया कि डॉ. सुधा यादव के साथ उनके पारिवारिक संबंध रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा आयोजित पारिवारिक कार्यक्रमों में डॉ. सुधा यादव हमेशा गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराती रही हैं।

दलीप लूथरा ने विश्वास व्यक्त किया कि डॉ. सुधा यादव का लंबा राजनीतिक अनुभव, जनसेवा के प्रति उनकी निष्ठा और कुशल नेतृत्व कर्नाटक राज्य के विकास और लोकतांत्रिक मूल्यों को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा। उनका सार्वजनिक जीवन राष्ट्रसेवा, सामाजिक दायित्वों और संगठनात्मक कार्यों के प्रति समर्पण का परिचायक रहा है। उन्होंने अपने राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन में विभिन्न महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई हैं। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया और एक प्रखर एवं समर्पित जननेता के रूप में अपनी पहचान बनाई। उनके अनुभव और सार्वजनिक जीवन की पृष्ठभूमि को देखते हुए संवैधानिक पद पर उनकी नियुक्ति एक महत्वपूर्ण अवसर है।

अहिंसा स्थल पर स्वर्गीय सेठ जुगल किशोर की पुण्यतिथि पर विशाल भंडारे का आयोजन

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

गुरुग्राम । बस स्टैण्ड के निकट भगवान महावीर जैन मंदिर स्थित अहिंसा स्थल पर समाजसेवी व वरिष्ठ अधिवक्ता रविन्द्र जैन द्वारा अपने पिता स्वर्गीय सेठ जुगल किशोर की पुण्यतिथि के अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। आयोजन में शहर की कई गणमान्य हस्तियों, प्रशासनिक व सामाजिक प्रतिनिधियों और सैकड़ों श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर स्व. सेठ जुगल किशोर को नमन किया तथा उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। सभी ने रविन्द्र जैन एडवोकेट व उनके परिवार द्वारा निरंतर किए जा रहे सेवा कार्यों की भूरि–भूरि प्रशंसा की। आयोजन में हजारों लोगों ने श्रद्धापूर्वक प्रसाद ग्रहण किया।

रविंद्र जैन ने बताया कि कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रुप में समाज रत्न व एसपी नूंह डॉ. अर्पित जैन, डीसीपी डा. डॉ. आशु सिंगला के माता–पिता डॉ. ज्ञानेश जैन एवं माता ममता जैन, रोटरी ब्लड सेंटर के प्रधान डा. मुकेश शर्मा, रोटरी ब्लड बैंक के सीएमओ डॉ. सुनील तथा चीफ अकाउंट ऑफिसर राजकुमार, हरियाणा महिला आयोग की पूर्व चेयरमैन सुमन दहिया, प्रमोद सलूजा,नगर निगम के डिप्टी मेयर अनूप सिंह, भूपेंद्र सिंह, जयदीप सिंह, देवेंद्र यादव, सतबीर महलावत, रविंद्र यादव, महावीर पार्क जैन मंदिर के प्रधान सतीश जैन, सिद्धांत तीर्थ क्षेत्र के प्रधान राकेश जैन, पद्मावती धाम के संरक्षक मदन जैन, मुनि सेवा समिति के उप प्रधान संदीप जैन, सेक्टर–4 जैन मंदिर के महामंत्री उत्तम जैन, जीतो के चौप्टर के प्रधान संजय जैन, सेक्टर–14 जैन समाज के उप प्रधान अशोक सुराणा, महामंत्री सुनील कोठारी, कोषाध्यक्ष मुकुल जैन, मनोज जैन, हरियाणा टैक्स बार के प्रधान नवीन गुप्ता, दौलताबाद इंडस्ट्री एसोसिएशन के प्रधान पवन जिंदल, वरिष्ठ पत्रकार अनिल आर्य, सुरेंद्र जैन, योगेश जैन, आनंद जैन, गौरव जैन, मोहित जैन, दिवांश जैन, कमल चौधरी, गगन सिंह, पवन गुप्ता सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में रविन्द्र जैन एडवोकेट की धर्मपत्नी नीरा जैन एवं रुचि जैन ने भी अतिथियों का स्वागत किया और सेवा व्यवस्था संभाली। रविन्द्र जैन ने बताया कि जब से बस स्टैंड के पास इस अहिंसा स्थल का निर्माण हुआ है, तब से यहाँ धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों का दायरा बढ़ा है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने स्वर्गीय सेठ जुगल किशोर जी की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।